मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 16 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद शुक्ल 5 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 12 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 मानसिक स्वास्थ्य की पहली चौखट बनता एआई

नर्वस महसूस कर रहीं आलिया भट्ट 6

कानून-व्यवस्था को लेकर देर रात सड़क पर उतरे एसएसपी

सुनसान इलाकों से लेकर क्राइम स्पॉट तक का लिया जायजा

संवाददाता

रांची: शहर की कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर रांची पुलिस ने निगरानी और गश्ती व्यवस्था को और सख्त करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में देर रात एसएसपी राकेश रंजन, सिटी एसपी पारस राणा और ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह खुद शहर के विभिन्न इलाकों का जायजा लेने निकले। वरीय पुलिस अधिकारियों ने देर रात कई संवेदनशील, सुनसान और अपराध की दृष्टि से महत्वपूर्ण इलाकों का निरीक्षण किया।

हॉटस्पॉट तक पहुंचे पुलिस पदाधिकारी : एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि अपराध की आशंका वाले स्थानों पर केवल औपचारिक गश्ती नहीं, बल्कि नियमित भौतिक निगरानी भी होनी चाहिए। क्षेत्र भ्रमण के दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने उन स्थानों पर विशेष नजर डाली, जहां अड्डेबाजी, नशाखोरी, छिनतई, स्नैचिंग और अन्य असामाजिक गतिविधियों की शिकायतें मिलती रही हैं। अधिकारियों ने संबंधित थाना प्रभारियों को नियमित गश्ती बढ़ाने और किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करने का सख्त निर्देश दिया।

क्राइम ब्लैक स्पॉट पर विशेष निगरानी : पुलिस अधिकारियों ने शहर के उन इलाकों का भी निरीक्षण किया, जहां पूर्व में चोरी, छिनतई और स्नैचिंग जैसी घटनाएं सामने आती रही हैं। सुखदेवनगर, पंडरा, कोतवाली और अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अलावा मुंडला पहाड़ समेत कई संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया गया। इन इलाकों में गश्ती व्यवस्था की समीक्षा करते हुए थाना प्रभारियों को संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया। पुलिस का जोर ऐसे इलाकों में रात के समय पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने पर है, ताकि अपराधियों और असामाजिक तत्वों में कानून का भय बना रहे।

अड्डेबाजी और नशेबाजी पर सख्ती : देर रात के निरीक्षण के दौरान पुलिस टीम ऐसे स्थानों पर भी पहुंची, जहां अड्डेबाजी और नशेबाजी की शिकायतें सामने आती रही हैं। अधिकारियों ने थाना प्रभारियों को इन स्थानों को चिन्हित कर नियमित गश्ती करने और असामाजिक तत्वों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसी क्रम में मुंडला पहाड़ इलाके में पुलिस ने छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान वहां से अवैध शराब बरामद की गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शहर में किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बड़ा तालाब इलाके में भी बढ़ेगी गश्ती : अपर बाजार स्थित बड़ा तालाब और उसके आसपास के इलाकों का भी पुलिस अधिकारियों ने निरीक्षण किया। यहां पूर्व में सामने आई चोरी और छिनतई की घटनाओं को देखते हुए निगरानी और गश्ती व्यवस्था मजबूत करने का निर्देश दिया गया। पुलिस को संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने, संवेदनशील स्थानों पर नियमित पेट्रोलिंग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया है।

यातायात व्यवस्था को लेकर भी निर्देश : देर रात शहर के भ्रमण के दौरान यातायात व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि रात में ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान ऐसे डिवाइडर कट को चिन्हित किया गया, जहां से वाहनों के अनियंत्रित तरीके से क्रॉस करने के कारण अक्सर यातायात बाधित होने की स्थिति बनती है। ट्रैफिक एसपी के साथ विचार-विमर्श के बाद ऐसे कटिंग को स्लाइडिंग बैरियर लगाकर बंद कराने का निर्णय लिया गया है। इससे वाहनों की अनावश्यक क्रॉसिंग पर रोक लगाने और यातायात को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

नो-पार्किंग में खड़े वाहनों पर होगी कार्रवाई : सड़क किनारे अनधिकृत तरीके से खड़े ऑटो और अन्य वाहनों को लेकर भी पुलिस ने सख्ती का निर्देश दिया है। पुलिस के अनुसार, बेतरतीब तरीके से सड़क किनारे वाहन खड़े होने से सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और यातायात प्रभावित होता है। नो-पार्किंग और अनधिकृत पार्किंग वाले स्थानों पर खड़े वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर जुमार्ना लगाने के साथ आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

अपराध रोकना पुलिस की प्राथमिकता : एसएसपी राकेश रंजन ने बताया की देर रात वरीय पुलिस अधिकारियों के खुद सड़क पर उतरने का मकसद शहर की जमीनी कानून-व्यवस्था का जायजा लेना और पुलिस गश्ती को प्रभावी बनाना है। पुलिस का फोकस क्राइम ब्लैक स्पॉट पर विशेष निगरानी, संवेदनशील इलाकों में गश्ती बढ़ाने, असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई और शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने पर है। अधिकारियों ने थाना प्रभारियों को स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।

न्यूजीलैंड की संसद ने भारत के साथ हुए एफटीए को दी मंजूरी, अधिकतर निर्यात पर जीरो ड्यूटी

नई दिल्ली : न्यूजीलैंड की संसद ने बुधवार को भारत के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को 93-29 (पक्ष-विपक्ष) की मत से मंजूरी दे दी है। यह जानकारी व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की ओर से दी गई। मैक्ले ने कहा कि वोट से इस समझौते और इससे होने वाले संभावित आर्थिक फायदों के लिए संसद का मजबूत समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि एफटीए से न्यूजीलैंड के निर्यातकों को भारत में ज्यादा पहुंच मिलेगी, जो दुनिया की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। मैक्ले के अनुसार, जब यह समझौता लागू होगा, तो भारत को होने वाले न्यूजीलैंड के 57 प्रतिशत निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।

पूरी तरह लागू होने पर, 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क हटा दिए जाएंगे या काफी कम कर दिए जाएंगे।

मंत्री ने यह भी बताया कि अकेले कीवीफ्रूट इंडस्ट्री को पांच वर्षों में शुल्क के तौर पर लगभग 125 मिलियन न्यूजीलैंड डॉलर की बचत होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि इस समझौते से बॉर्डर पर तेजी से क्लीयरेंस मिलेगी और भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग तक बेहतर पहुंच मिलेगी, जो भोजन, टेक्नोलॉजी, शिक्षा, पर्यटन, प्रोफेशनल सेवाओं और अन्य उत्पादों की मांग बढ़ा रहा है। मैक्ले ने कहा कि न्यूजीलैंड-भारत के बीच बातचीत की घोषणा मार्च 2025 में की गई थी और सरकार को उम्मीद है कि यह समझौता इस साल के आखिर तक लागू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि एफटीए से न्यूजीलैंड के निर्यातकों को अपने बिजनेस संबंध बढ़ाने में मदद मिलेगी और इससे भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन द्वारा 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने के लक्ष्य को भी समर्थन मिलेगा।

यह समझौता तब लागू होगा जब दोनों देश अपनी-अपनी मंजूरी की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे।

अगस्त में आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत उसे न्यूजीलैंड के लिए एक रणनीतिक साझेदार बनाती है और दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) से बड़े फायदे होने की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया के वेस्टपैक इंस्टीट्यूशनल बैंक की एक रिपोर्ट में भारत के बड़े आकार और विकास की संभावनाओं पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस एफटीए से अगले दशक में न्यूजीलैंड की जीडीपी में लगभग 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है, ₹भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और यह 1.4 अरब लोगों के बाजार तक पहुंच प्रदान करता है।

आलमगीर आलम को सुप्रीम कोर्ट से झटका, डिस्चार्ज याचिका खारिज

रांची/दिल्ली: झारखंड के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलमगीर आलम की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं। टेंडर घोटाले के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना कर रहे आलमगीर आलम को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में झारखंड हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए उनकी डिस्चार्ज याचिका खारिज कर दी।

इससे पहले रांची की प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की विशेष अदालत और झारखंड हाईकोर्ट भी आलमगीर आलम की डिस्चार्ज याचिका खारिज कर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने आरोपों से मुक्त किए जाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश में दखल से किया इनकार

आलमगीर आलम की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागु की पीठ ने सुनवाई की। सुनवाई के दौरान पीठ ने झारखंड हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही आलमगीर आलम की डिस्चार्ज पिटीशन खारिज कर दी गई।

ईडी की चार्जशीट में 37.55 करोड़ रुपये की अवैध वसूली का दावा

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में अदालत में दाखिल चार्जशीट में आलमगीर आलम के खिलाफ कई आरोप लगाए हैं। ईडी के मुताबिक, जब आलमगीर आलम ग्रामीण विकास मंत्री थे, उस दौरान विभाग की ओर से जारी होने वाले निर्माण कार्यों के टेंडर में ठेकेदारों से एक तय सिस्टम के तहत कमीशन की वसूली की जाती थी।

ईडी की चार्जशीट में दावा किया गया है कि इस कथित कमीशनखोरी और पूरे रैकेट के जरिए कुल 37.55 करोड़ रुपये की अवैध वसूली की गई।

मामले में ईडी की ओर से पेश आरोप और साक्ष्य अब न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा डिस्चार्ज याचिका खारिज किए जाने के बाद आलमगीर आलम को इस मामले में आगे कानूनी प्रक्रिया का सामना करना होगा।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की 30 छात्राओं को वायरल फीवर, अस्पताल में भर्ती

संवाददाता

गुमला: जिले के डुमरी कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं के बीमार पड़ने से विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। लगभग 30 छात्राओं में सर्दी, खांसी और बुखार जैसे लक्षण सामने आने के बाद मंगलवार रात इलाज के लिए सीएचसी डुमरी लाया गया। आवासीय विद्यालय में बड़ी संख्या में छात्राएं एक साथ रहकर पढ़ाई करती हैं। ऐसे में कई छात्राओं में एक साथ बीमारी के लक्षण सामने आने के बाद संक्रमण को लेकर भी चिंता बनी हुई है।

बीमार छात्राओं को सीएचसी डुमरी पहुंचाए जाने के बाद चिकित्सकों ने उनकी स्वास्थ्य जांच की। जांच के दौरान छात्राओं में मुख्य रूप से सर्दी, खांसी और बुखार जैसे लक्षण पाए गए। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय सीएचसी डुमरी के नजदीक है। बावजूद बीमार छात्राओं को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध नहीं ही सकी। मजबूरी में छात्राओं को दूसरे माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया। जिसको लेकर परिजनों ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े किए।

डॉक्टर ने की वायरल फीवर होने की पुष्टि : सीएचसी डुमरी के चिकित्सक डॉ अलबेल केरकेट्टा ने बताया कि अस्पताल लाई गई छात्राओं की स्वास्थ्य जांच की गई है। जांच के बाद प्रथम दृष्टया छात्राओं में वायरल फीवर के लक्षण पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि मौसम में बदलाव और बरसात के दौरान संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। छात्राओं को पर्याप्त आराम करने, साफ पानी पीने और चिकित्सकों की सलाह के अनुसार दवा लेने की बात कही।

विद्यालय शिक्षिका ने दी जानकारी : शिक्षिका दिव्या स्वर्णा टोप्पो ने बताया कि छात्राएं आवासीय विद्यालय में एक साथ रहती हैं और पढ़ाई करती हैं। ऐसे में किसी एक छात्रा में वायरल संक्रमण होने पर संपर्क के कारण अन्य छात्राओं में भी संक्रमण फैलने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में संक्रमण फैलने की आशंका को देखते हुए बीमार छात्राओं को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी लाया गया है।

विद्यालय की शिक्षिका दिव्या स्वर्णा टोप्पो ने बताया कि बरसात के मौसम के कारण वायरल फीवर फैल रहा है। उन्होंने कहा कि यदि एक बच्ची इसकी चपेट में आती है तो धीरे-धीरे दूसरी बच्चियों में भी इसके लक्षण दिखाई देने लगते हैं। उन्होंने बताया कि फिलहाल छात्राओं में सर्दी, खांसी और बुखार की शिकायत है। बीमार छात्राओं की डॉक्टरों द्वारा देखा जा रहा है और जांच के बाद आवश्यक इलाज की जाएगी।

पलामू में ऑनर किलिंग की आशंका, घर के कुएं से बरामद हुआ नाबालिग का शव

पलामू: जिले के ऊंटारी रोड थाना इलाके के नावागढ़ में एक नाबालिग लड़की का शव उसके घर के कुएं से बरामद हुआ है। परिजनों ने नाबालिग के लापता होने को लेकर पुलिस में शिकायत भी दर्ज करायी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि, पुलिस ने ऑनर किलिंग की आशंका जताई है। फिलहाल, पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, नाबालिग लड़की मोबाइल फोन पर एक लड़के से बात करती थी। परिवार वालों को इसकी जानकारी थी और इस बात को लेकर उन्होंने पहले भी उसके साथ मारपीट की थी। मंगलवार देर शाम परिवार ने ऊंटारी रोड थाना में उसके लापता होने की सूचना दी थी।

पुलिस ने मामले को लेकर नाबालिग लड़की के कथित प्रेमी से भी पूछताछ की थी। इसी बीच बुधवार को नाबालिग के घर के परिसर में बने कुएं से ही उसका शव बरामद किया गया। ऊंटारी रोड थाना प्रभारी संतोष कुमार गिरी ने बताया कि शुरूआती तौर पर यह ऑनर किलिंग का मामला लग रहा है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। यह जानकारी भी मिली है कि लड़की के साथ उसके परिवार वालों ने मारपीट की थी। कुआं घर के ठीक दहलीज पर स्थित है।

फिलहाल, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत की असली वजह रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चलेगी। पुलिस परिवार वालों से पूछताछ कर रही है और मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है।

पलामू के पनेरीबांध से दो नाबालिग लड़कियां लापता, पुलिस ने सर्च अभियान शुरू किया

पलामू: चैनपुर थाना क्षेत्र से दो नाबालिग लड़कियां लापता हो गई हैं। मंगलवार सुबह लकड़ी चुनने के लिए घर से निकली अब तक वापस नहीं लौटीं। परिजनों की रात भर की खोजबीन के बाद मामला चैनपुर थाना में दर्ज कराया गया है।

जंगल में गई थीं, शाम तक नहीं लौटीं : चैनपुर थाना क्षेत्र की एक शख्स की 11 वर्षीय बेटी और 12 वर्षीय नातिन मंगलवार सुबह जंगल में लकड़ी चुनने की बात कहकर घर से निकली थीं। दोनों लड़कियां देर शाम तक जंगल से वापस नहीं आईं। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं मिला। देर रात तक इंतजार करने के बाद परिवार चैनपुर थाना पहुंचा और पुलिस को पूरी जानकारी दी।

एफआईआर दर्ज, सर्च अभियान शुरू : परिजनों के आवेदन के आधार पर चैनपुर थाना में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि पुलिस ने दोनों लड़कियों की बरामदगी के लिए सर्च अभियान शुरू कर दिया है। एक टीम जंगली इलाकों में खोजबीन कर रही है, जबकि दूसरी टीम शहरी इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। डालटनगंज रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच चल रही है।

परिजनों को अनहोनी की आशंका : दोनों नाबालिग लड़कियों के माता-पिता मजदूरी का काम करते हैं। परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका भी जाहिर की है। पुलिस सभी बिंदुओं पर अनुसंधान कर रही है और इस मामले में स्पेशल टीम लगाई गई है।

चान्हो में बड़ा हादसा, बाल विकास स्कूल की बस पलटी

चान्हो : चान्हो थाना क्षेत्र के लेपसर स्थित आदित्य ईंट भट्ठा के पास बुधवार सुबह बाल विकास स्कूल की बस हादसे का शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार, स्कूल बस विद्यार्थियों को लाने के लिए हर्रा गांव जा रही थी। इसी दौरान एक ट्रैक्टर को ओवरटेक करने के क्रम में बस सड़क किनारे गड्ढे में घुस गई, जिसके बाद बस अनियंत्रित होकर पलट गई। गनीमत रही कि हादसे के वक्त बस में कोई विद्यार्थी सवार नहीं था। हादसे में किसी के चोटिल होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और बस को बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

यूपीआई एमडीआर में 'विदेशी हस्तक्षेप' के दावे को वित्त मंत्रालय ने किया खारिज

नई दिल्ली: वित्त मंत्रालय ने बुधवार को उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि यूपीआई में एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) को पेश करने की वजह विदेशी हस्तक्षेप है। साथ ही, कहा कि भारत अपने डिजिटल पेमेंट सिस्टम को लेकर निर्णय स्वतंत्रता के साथ लेता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मंत्रालय ने कहा कि 2016 में लॉन्च के बाद से यूपीआई दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम इंटरऑपरेबल पेमेंट सिस्टम बन गया है और यह पूरी तरह से भारत की अपनी शर्तों पर हुआ है। मंत्रालय ने आगे विदेशी हस्तक्षेप के दावों को गलत बताते हुए कहा कि भारत की यूपीआई पॉलिसी से जुड़े फैसले स्वतंत्र रूप से लिए जाते हैं, और इनका स्पष्ट मकसद एक ऐसा डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम बनाना है जो खुद पर निर्भर हो, सभी को शामिल करने वाला हो और किफायती हो। सरकार के अनुसार, अकेले अगस्त 2026 में यूपीआई के जरिए 24।5 अरब ट्रांजैक्शन हुए। इस सिस्टम को खुद-ब-खुद चलने लायक, सुरक्षित और इनोवेटिव बनाए रखने के लिए, ज्यादा कीमत वाले मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर एक छोटी सी फीस ली जाएगी। इससे बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर और साइबर सिक्योरिटी के लिए फंड मिलेगा और टियर तीन-चार शहरों और ग्रामीण इलाकों में छोटे व्यापारियों को मदद मिलेगी। साथ ही, यूपीआई के इस्तेमाल को बढ़ाने के लिए जागरूकता और इंसेंटिव देने में भी सहायता मिलेगी। वित्त मंत्रालय ने कहा, ₹नया यूपीआई फ्रेमवर्क यह पक्का करता है कि ज्यादा कीमत वाले मर्चेंट ट्रांजैक्शन से मिलने वाले संसाधनों का इस्तेमाल छोटे व्यवसायों को सहारा देने और पूरे देश में डिजिटल पेमेंट को मजबूत करने के लिए दोबारा किया जाए। ग्राहकों के लिए यूपीआई का इस्तेमाल अभी भी मुफ्त है। दोस्तों को पैसे भेजना, दुकानों पर पेमेंट करना या क्यूआर कोड स्कैन करना, इन सभी पर कोई चार्ज नहीं लगेगा।

समाचार सार

कैसल गांव के समीप अवैध चिरान स्थल पर वन विभाग की छापेमारी, जुगाड़ चिरान मशीन जब्त

खूंटी : खूंटी वन विभाग ने जाते सब बीट अंतर्गत कैसल गांव के समीप संचालित अवैध चिरान स्थल पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में अवैध लकड़ी और जुगाड़ से तैयार चिरान मशीन जब्त की है। वन विभाग को सूचना मिली थी कि गांव के समीप अवैध रूप से लकड़ी का चिरान किया जा रहा है।

सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने मंगलवार को मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान स्थल से अवैध रूप से संग्रहित साल के बोटे और सीमल की चिरान लकड़ी बरामद की गई। इसके साथ ही लकड़ी चिरान के लिए इस्तेमाल की जा रही जुगाड़ मशीन को भी जब्त कर लिया गया। बताया गया कि इस मशीन को करीब दो से तीन दिन पहले ही वहां स्थापित किया गया था।

वन विभाग की टीम ने जब्त लकड़ी और मशीन को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, अवैध चिरान स्थल का संचालन करने वाले व्यक्ति की पहचान और तलाश की जा रही है। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आरोपी की पहचान होने के बाद उसके खिलाफ वन अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छापेमारी अभियान में प्रभारी वनपाल प्रवीण कुमार सिंह के अलावा वन विभाग के सहकर्मी अजय होरो, जुनुल होरो, अनिल सोय और रोशन महतो तथा होमगार्ड के जवान शामिल थे। वन विभाग की इस कार्रवाई के बाद अवैध रूप से लकड़ी का चिरान करने वालों में हड़कंप की स्थिति है।

मानव सेवा भारती के तत्वाधान में मनाया गया इन्फ्लुएंसर्स मीट-अप एवं हिंदी है हम का द्वितीय संस्करण

चतरा : चतरा में हिंदी दिवस पर आयोजित इन्फ्लुएंसर्स मीट-अप एवं हिंदी है हम कार्यक्रम में चतरा की बदलती एक नई पहचान और तस्वीर तस्वीर मिलने लगी है। एक कहावत है वक्त वक्त की बात है कल वक्त उनका था आज वक्त इन्फ्लुएंसर्स का है। चतरा में आयोजित इन्फ्लुएंसर्स मीट-अप 2026 की शानदार कार्यक्रम का आयोजन मानव सेवा भारती संस्था द्वारा किया गया। मानव सेवा भारती (चतरा, झारखंड) द्वारा आयोजित इन्फ्लुएंसर्स मीट-अप 2026 और 'हिंदी है हम' का द्वितीय संस्करण सोशल मीडिया और स्थानीय क्रिएटर्स के बीच एक बेहतरीन पहल है। इस तरह के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य स्थानीय डिजिटल क्रिएटर्स, व्लॉगर्स और इन्फ्लुएंसर्स को एक मंच पर लाना और हिंदी भाषा व स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन सभी इन्फ्लुएंसर्स को मानव सेवा भारती एक मंच प्रदान कर सभी को जागरूक एवं प्रोत्साहित करने का कार्य किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य : इसका मुख्य उद्देश्य चतरा जिले के सभी डिजिटल क्रिएटर्स, इंफ्लुएंसर्स और कंटेंट लवर्स को एक मंच पर लाना था ताकि वे एक-दूसरे से जुड़ सकें, सहयोग कर सकें और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें।

हिंदी भाषा को बढ़ावा : 'हिंदी है हम' थीम के तहत डिजिटल माध्यमों (जैसे इंस्टाग्राम, यूट्यूब) पर हिंदी भाषा के सही और रचनात्मक उपयोग पर चर्चा की गई।

हिंदी भाषा को बढ़ावा : 'हिंदी है हम' थीम के तहत डिजिटल माध्यमों (जैसे इंस्टाग्राम, यूट्यूब) पर हिंदी भाषा के सही और रचनात्मक उपयोग पर चर्चा की गई।

नेटवर्किंग और कोलाबोरेशन : स्थानीय क्रिएटर्स को एक-दूसरे से जुड़ने, सीखने और भविष्य के प्रोजेक्ट्स के लिए कोलाबोरेशन करने का मौका मिला।

डिजिटल क्रिएटर्स का संगम : इस इवेंट में चतरा और आस-पास के क्षेत्रों के कई जाने-माने इन्फ्लुएंसर्स और व्लॉगर्स ने हिस्सा लिया।

इस बार क्या था खास : इस साल के मीट-अप में न केवल सोशल मीडिया क्रिएटर्स को बल्कि चतरा के उन सभी लोगों (जैसे होनहार छात्र, डॉक्टर, उद्यमी, पुलिसकर्मी आदि) को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने शून्य से शुरूआत करके समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

डोरंडा गोलीबारी में दरगाह कमेटी के सचिव समेत 15 के खिलाफ केस दर्ज

रांची : डोरंडा धोबी मुहल्ला में दो दिन पहले हुए फायरिंग मामले में पुलिस की टीम ने जांच तेज कर दी है। पुलिस टीम अपराधियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। मामले में दोनों पक्ष की ओर से एक-दूसरे के विरुद्ध डोरंडा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मो सोयम गद्दी की ओर से दर्ज प्राथमिकी में रिसालदार बाबा दरगाह कमेटी के सचिव जावेद अनवर समेत आठ नामजद और चार अज्ञात को आरोपी बनाया गया। वहीं, जावेद अनवर ने आवेदन देकर तीन नामजद और एक अज्ञात को आरोपी बनाया है। पुलिस मामले में उस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरा से फुटेज खंगाल रही है।

ग्वाला टोली निवासी मो सोयम गद्दी ने प्राथमिकी में मो सज्जू, बाबर, जावेद अनवर उर्फ काना, उसकी मां, बहन और पत्नी के अलावा मिनहाज कुरैशी, नवाज, ताबिज उर्फ हाका और सोनू कुरैशी को आरोपी बनाया है। मो सोयम ने आरोप लगाया कि 12 सितंबर की रात आठ बजे रिसालदार बाबा मैदान में मो सज्जू कुछ साथियों के साथ मौजूद था। वह दूध लेकर उस रास्ते से गुजर रहा था। देखा कि सज्जू के साथ कुछ लड़कों का पैसे को लेकर विवाद चल रहा था। इसी दौरान सज्जू ने उसे धमकाते हुए गाली-गलौज कर दी। धमकी दी कि भागो नहीं तो गोली मार देंगे। इसके बाद वह वहां से हट गया। पता चला कि जब आरोपी जावेद अनवर से झगड़ा का कारण पूछने के लिए गए तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि, पुलिस के आने के बाद जावेद भाग निकला।

एसआईआर में बड़ी राहत : 30 सितंबर तक जुड़वा सकेंगे मतदाता सूची में नाम

दावा-आपत्ति की तारीख बढ़ी, नाम हटाने और विवरण में सुधार का भी मिलेगा मौका

संवाददाता

रांची : झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्रफ) के बीच भारत निर्वाचन आयोग ने नागरिकों को बड़ी राहत दी है. मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम हटाने या दर्ज विवरण में सुधार कराने के लिए दावा-आपत्ति की अंतिम तिथि अब 30 सितंबर 2026 कर दी गयी है. इससे उन लोगों को अतिरिक्त समय मिल गया है, जो किसी कारणवश निर्धारित अवधि में आवेदन नहीं कर सके थे.

मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए पात्र नागरिक फॉर्म-6 भर सकते हैं. वहीं, किसी अपात्र या मृत व्यक्ति का नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 और नाम, पता अथवा अन्य विवरण में सुधार के लिए फॉर्म-8 जमा किया जा सकेगा.

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने पात्र भारतीय नागरिकों, खासकर युवाओं से अपील की है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण समय रहते जांच लें. उन्होंने नागरिकों से अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करने और जरूरी प्रक्रिया जल्द पूरी करने को कहा है.

अंतिम तारीख का इंतजार न करें : निर्वाचन विभाग के अनुसार, रक्रफ के दौरान मतदाता सूची में दर्ज नाम और विवरण की जांच करना बेहद महत्वपूर्ण है. पात्र नागरिक समय रहते अपना दावा या आपत्ति दर्ज कराकर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि मतदाता सूची में उनका नाम और जरूरी विवरण सही रूप में दर्ज रहे. दावा-आपत्ति की प्रक्रिया को लेकर नागरिकों को अतिरिक्त अवसर मिलेगा या नहीं, इसे लेकर किसी भी भ्रम से बचने के लिए विभागीय निदेशों पर नजर रखना जरूरी होगा।

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को प्रभावी बनाने पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

संवाददाता

चतरा : सिविल सर्जन कार्यालय, चतरा के कॉन्फ्रेंस हॉल में मंगलवार को पिरामल फाउंडेशन सांगम कोलैबोरेटिव टीम के सहयोग से आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं एवं आवश्यक स्वास्थ्य सामग्रियों की उपलब्धता, उचित भंडारण, स्टॉक प्रबंधन तथा मांग एवं आपूर्ति की बेहतर योजना के संबंध में स्वास्थ्यकर्मियों की क्षमता को सुदृढ़ करना रहा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं जिला अस्पताल से फार्मासिस्ट, स्टोर कीपर, हॉस्पिटल मैनेजर तथा ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर ने भाग लिया। प्रशिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाओं एवं सामग्रियों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने, स्टॉक का व्यवस्थित प्रबंधन करने तथा आपूर्ति श्रृंखला को अधिक प्रभावी एवं सुचारु बनाने से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रतिभागियों को जानकारी दी गई।

निर्बाध दवा उपलब्धता के लिए प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन जरूरी : कार्यक्रम का शुभारंभ सिविल सर्जन के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाओं एवं स्वास्थ्य सामग्रियों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने में प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का उपयोग स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर स्टॉक प्रबंधन एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में करने पर जोर दिया।

डीभीडीएमएस के प्रभावी उपयोग एवं स्टॉक प्रबंधन पर मार्गदर्शन : प्रशिक्षण के दौरान डॉ. प्रदीप कुमार, एसएनओ, डीभीडीएमएस एवं अन्य संबंधित पदाधिकारियों द्वारा आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विशेष रूप से डीभीडीएमएस के प्रभावी उपयोग, दवाओं एवं आवश्यक स्वास्थ्य सामग्रियों के स्टॉक प्रबंधन, मांग एवं आपूर्ति की योजना तथा स्वास्थ्य संस्थानों में सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रतिभागियों को आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्रदान करते हुए स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाली चुनौतियों एवं उनके समाधान पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं एवं आवश्यक सामग्रियों के प्रबंधन को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना रहा।

शॉल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया सम्मानित : कार्यक्रम के प्रारंभ में पिरामल फाउंडेशन सांगम कोलैबोरेटिव टीम द्वारा सिविल सर्जन, चतरा, डॉ. प्रदीप कुमार (एसएनओ, डीभीडीएमएस), डीआरसीएचओ, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला नोडल पदाधिकारी, भीबीडीसी एवं जिला डाटा प्रबंधक को शॉल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पिरामल फाउंडेशन टीम ने किया प्रशिक्षण का संचालन : प्रशिक्षण का संचालन एवं सहजीकरण पिरामल फाउंडेशन सांगम कोलैबोरेटिव टीम के डॉ. रोहिणी, श्री रितेश, श्री अभिनंदन, श्री अबिद, श्री मोहित, श्री हरिओम, सुश्री आकृति एवं सुश्री मोनिका द्वारा किया गया। टीम द्वारा प्रतिभागियों को आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप कुमार, एसएनओ, डीभीडीएमएस, डीआरएचओ, जिला कार्यक्रम प्रबंधक,भीबीडीसी, जिला नोडल पदाधिकारी एवं जिला डाटा प्रबंधक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।प्रशिक्षण के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

दूटे बिजली तार की चपेट में आने से पारा शिक्षक अशोक यादव की मौत

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के तिलहेत पंचायत अंतर्गत भलूवाहा गांव में मंगलवार की अहले सुबह करंट की चपेट में आने से पारा शिक्षक अशोक यादव (39 वर्ष) की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।जानकारी के अनुसार, अशोक यादव अहले सुबह शौच के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान रास्ते में बिजली का तार टूटकर जमीन पर गिरा हुआ था। सुबह अंधेरा होने के कारण उन्हें जमीन पर गिरा तार दिखाई नहीं दिया और वह उसकी चपेट में आ गए। करंट लगने से वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़े और गंभीर रूप से झुलस गए।घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंटरगंज लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलने पर हंटरगंज थाना के एएसआई राजेंद्रनाथ मुंडा पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया।घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल और मृतक के घर पहुंचे। अशोक यादव की मौत से परिजनों के साथ ग्रामीणों और शिक्षा जगत में शोक की लहर है।मृत अशोक यादव प्राथमिक विद्यालय भलूवाहा में पदस्थापित थे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। साथ ही परिवार को हरसंभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

रहे सावधान,सुनसान घर छोड़ने पर चोर ले उड़ा सकते हैं पैसे व जेवरात

25 हजार नकद समेत सोने के जेवरात लेकर चंपत हुए चोर, ग्रामीणों ने पुलिस गश्ती बढ़ाने की उठाई मांग

संवाददाता

चतरा : अगर आप घर को सुनसान कर कहीं रिश्तेदार, दोस्त के घर या किसी ट्रिप पर पूरे परिवार के साथ जाने की सोच रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। क्योंकि आपके घर पर चोर धावा बोल सकते हैं। लाखों के जेवरात और नकद लेकर फरार हो सकते हैं। जिससे आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यह हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि हंटरगंज थाना क्षेत्र के गढ़केदली गांव में हुई चोरी की घटना बता रही है।ताजा मामला गढ़केदली गांव का है, जहां एक सुनसान घर का ताला तोड़कर सोमवार की रात चोर करीब 25 हजार रुपये नकद के साथ जेवरात लेकर चंपत हो गए। वहीं, घर का सारा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था।उक्त मकान गढ़केदली गांव निवासी मुकुल सिंह का है, जो फिलहाल सीसीएल में बोकारो में कार्यरत हैं और उनका पूरा परिवार वहीं रहता है। मकान में डुमरिया के शिक्षक राजेश कुमार किरायेदार के रूप में रहते थे, लेकिन गणेश चतुर्दशी की छुट्टी के कारण वह अपने गांव बोकारो गए हुए थे।इधर, घर को सुनसान पाकर चोरों ने सोमवार की रात मकान में लगे ताले को तोड़ दिया और अंदर घुस गए। इसके बाद बक्सा तोड़कर उसमें रखे कीमती जेवरात और नकद रुपये लेकर फरार हो गए।जब मंगलवार की सुबह शिक्षक राजेश कुमार घर पहुंचे और ताला टूटा हुआ देखा तो उनके होश उड़ गए। घर के अंदर जाने पर बक्से का ताला टूटा हुआ था और सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। जांच करने पर करीब 25 हजार रुपये नकद और कीमती जेवरात गायब मिले।इसके बाद हंटरगंज थाना पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सूचना पाकर हंटरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तहकीकात शुरू की। पुलिस ने मकान मालिक को भी घटना की सूचना दी। हंटरगंज थाना पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। हालांकि, अभी तक चोरी में गए सामान का सही आकलन नहीं हो पाया है।ग्रामीणों ने कहा कि सुनसान घरों को चोरों द्वारा निशाना बनाए जाने की घटनाओं को देखते हुए पुलिस को रात्रि गश्ती तेज करने के साथ-साथ संदिग्ध गतिविधियों पर भी विशेष नजर रखनी चाहिए।

खूंटी में पेड़ से लटका मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, इलाके में सनसनी

संवाददाता

खूंटी : थाना क्षेत्र के बेलाहाथी रोड स्थित हरिजन बस्ती से पहले नामकोम क्षेत्र में बुधवार सुबह पेड़ से एक अज्ञात व्यक्ति का शव लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी, जिसके बाद खूंटी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, सुबह एक व्यक्ति खुखड़ी चुनने के दौरान पेड़ से लटका शव देखा। इसके बाद आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी गई और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। शव की स्थिति काफी खराब बताई जा रही है। शरीर पर कीड़े लग चुके हैं और शव सड़ने की स्थिति में पहुंच गया है। प्रारंभिक स्थिति को देखते हुए पुलिस एवं स्थानीय लोगों द्वारा आशंका जताई जा रही है कि व्यक्ति की मौत करीब पांच से छह दिन पहले हुई होगी। हालांकि, मौत का कारण हत्या है या आत्महत्या, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। हैरानी की बात यह है कि जिस स्थान पर शव मिला है, उसके आसपास कई घर मौजूद हैं और इस कच्ची सड़क से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना होता है। इसके बावजूद कई दिनों तक किसी की नजर शव पर नहीं पड़ी। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। खूंटी पुलिस घटनास्थल और आसपास के इलाके की जांच कर रही है। पुलिस की जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृतक की पहचान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि यह मामला हत्या का है या आत्महत्या का।

चतरा में भ्रष्टाचार के विरुद्ध एसीबी का बड़ा एक्शन,15 हजार रु रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी सतीश प्रसाद गिरफ्तार

चतरा : जिले में भ्रष्टाचार के विरुद्ध भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), हजारीबाग की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सदर अंचल के हल्का-7 के राजस्व कर्मचारी सतीश प्रसाद को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई सदर प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित कर्मचारी भवन में की गई। कर्मचारी की गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम उसके कार्यालय में दस्तावेज और संबंधित अभिलेखों को खंगालने के बाद उसे अपने साथ हजारीबाग ले गई। कार्रवाई की खबर से प्रखंड-अंचल कार्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। एसीबी, हजारीबाग के एसपी आरिफ इकराम ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि गिद्धौर थाना क्षेत्र के नया खाप निवासी तुलसी यादव ने लिखित शिकायत की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जमीन का म्यूटेशन कराने के एवज में राजस्व कर्मचारी सतीश प्रसाद द्वारा उनसे 30 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। एसपी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने आरोपों का सत्यापन किया। शिकायत सही पाए जाने के बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया। उन्होंने बताया कि मंगलवार को कर्मचारी द्वारा आवेदक से रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 15 हजार रुपये लिए जा रहे थे। इसी दौरान एसीबी की टीम ने कर्मचारी भवन में कार्रवाई करते हुए सतीश प्रसाद को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम आरोपी राजस्व कर्मचारी को अग्रेतर कार्रवाई के लिए हजारीबाग ले जा रही है। एसपी ने बताया कि वहां आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जाएगा।बताते चलें कि गिरफ्तार कर्मचारी सदर अंचल के दारियातू और लेम पंचायत में हल्का 7 में कार्यरत थे।

खूंटी जिला युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

खूंटी : जिला युवा कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी की बैठक मंगलवार को जिला अध्यक्ष आमिर हुसैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों तथा विभिन्न जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में रक्रफ 2026 के मुद्दे पर चर्चा करते हुए कार्यकताओं से जनता के बीच जागरूकता अभियान चलाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया गया। वहीं चंदा चोरी के मामले को लेकर भी चर्चा हुई और इसके विरोध में प्रस्तावित कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने की रणनीति तैयार की गई। इसके अलावा कोयला खनन कानून के खिलाफ प्रस्तावित लोक भवन घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के दौरान संगठनात्मक विस्तार के तहत जिला समिति ने सर्वसम्मति से कल्याण सिंह मुंडा को अड़की प्रखंड युवा कांग्रेस अध्यक्ष चुना। उनके चयन पर उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने बधाई दी। कार्यकताओं ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में अड़की प्रखंड में युवा कांग्रेस संगठन को और मजबूती मिलेगी। बैठक में जिला प्रभारी हिमांशु कुजूर, जिला उपाध्यक्ष सुमित हर्ष, जिला उपाध्यक्ष शेरॉन सुरिन, जिला महासचिव नवाज अंसारी, कल्याण सिंह मुंडा, शापेली स्मृति भेंगरा, हमाज खान, शाहिद अनवर, प्रकाश साहू, यशराज नाथ साहदेव, मनीष मांझी, सोनू खान सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष आमिर हुसैन ने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का आह्वान किया।

अपराध की योजना बना रहे युवक को पुलिस ने दबोचा, लोडेड पिस्टल बरामद

रांची : सुखदेवनगर थाना पुलिस ने अपराध की योजना बना रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 7.65 एमएम की देसी पिस्टल, एक जिंदा गोली और आईफोन बरामद किया है। वहीं, पुलिस की कार्रवाई के दौरान मौके से फरार एक अन्य आरोपी को भी बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार, 14 सितंबर 2026 की शाम करीब 6:50 बजे सूचना मिली थी कि कुछ युवक हेहल इलाके में अपराध करने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलने के बाद सुखदेवनगर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी और पीसीआर-28 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद कुछ युवक भागने लगे।

पुलिस टीम ने पीछा कर एक युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम नितेश मिश्रा, पिता- दीनदयाल मिश्रा, निवासी साई टोली, हेहल अंचल रोड, सुखदेवनगर, रांची बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से 7.65 एमएम की लोडेड देसी पिस्टल, एक जिंदा गोली और एक आईफोन बरामद किया गया।

पुलिस ने जब मामले की जांच आगे बढ़ाई तो मौके से फरार एक अन्य आरोपी की पहचान ऋतिक राज उर्फ राजेश कुमार सिंह, पिता- सरबेंद्र सिंह, निवासी इमली पेड़, नवाटोली, सिमलिया, रातू, रांची के रूप में हुई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे नवाटोली सिमलिया, रातू से गिरफ्तार कर लिया।

अपराधियों के पास से 7.65 एमएम की देसी पिस्टल - 1, जिंदा गोली - 1, आईफोन -1 बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि वे किस वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे तथा उनके साथ और कौन-कौन लोग शामिल थे।

जीवन का उद्देश्य समझकर धर्म के मार्ग पर चलें : भारद्वाज

रांची : अग्रसेन भवन में भागवत कथा के तीसरे दिन मंगलवार को ध्रुव चरित्र व गणेश महिमा के वर्णन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। अग्रसेन भवन में इसे सुनने के लिए काफी संख्या में भक्तगण पहुंचे। कथावाचक दिनेश भारद्वाज ने भजनों की प्रस्तुति दी। इसमें श्रोताओं ने ताली से भजन में उनका साथ दिया। इसमें प्रसंगों से जुड़े सजीव झांकी भी लगाई गई, जिसे श्रद्धालुओं ने काफी पसंद किया। जगन्नाथधाम से आए कथावाचक स्वामी भारद्वाज ने बताया कि भगवान की सृष्टि व्यवस्था में प्रत्येक जीव की अपनी भूमिका है। मनुष्य को अपने जीवन का उद्देश्य समझकर धर्म, सदाचार एवं ईश्वर भक्ति के मार्ग पर चलना चाहिए।

कपिल मुनि के उपदेशों के माध्यम से ज्ञान, वैराग्य और भक्ति के महत्व को समझाया गया।बालक ध्रुव ने विपरीत परिस्थितियों में नारायण की आराधना कर परम पद पाया, जो युवाओं के लिए प्रेरणा है। सती-शिव प्रसंग से श्रद्धा और मयार्दा का संदेश दिया और गणेश जी को प्रथम पूज्य व विघ्नहर्ता बताते हुए उनकी महिमा का वर्णन किया। यहां प्रस्तुत भजन और कीर्तन से पूरा भवन गूंजता रहा। अंत में आरती और प्रसाद वितरण हुआ। मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि चौथे दिन प्रह्लाद चरित्र, गजेंद्र मोक्ष, समुद्र मंथन, वामन अवतार और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का वर्णन होगा।

स्थापना दिवस पर नगर निगम ने दोहराई जनसेवा की प्रतिबद्धता

रांची : रांची नगर निगम का 47वां स्थापना दिवस मंगलवार को निगम कार्यालय के आठवें तल पर समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर रोशनी खलखो, उप महापौर नीरज कुमार, नगर आयुक्त सुशांत गौरव एवं सेवानिवृत्त कर्मियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर महापौर रोशनी खलखो ने निगम के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहरवासियों को बेहतर और सुगम नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कर्मियों से आम नागरिकों के साथ सरल एवं विनम्र व्यवहार करने तथा जनहित से जुड़े अपने दायित्वों का तत्परता से निर्वहन करने की अपील की। उप महापौर नीरज कुमार ने भी सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने निगम कर्मियों से नागरिकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहने और उनकी शिकायतों के समाधान के लिए तत्परता से कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में अपर प्रशासक संजय कुमार, सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ आनंद शेखर झा, कार्यालय अधीक्षक सहित नगर निगम के विभिन्न पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। स्थापना दिवस के अवसर पर निगम प्रशासन ने नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने और शहर के विकास में अपनी भूमिका को और प्रभावी बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

श्री श्याम मंदिर सुंदरकांड पाठ संपन्न

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में 221वें श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर श्री हनुमान जी महाराज की आराधना की। मंडल के निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने सुनील मोदी से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्वलित करवाई। इसके बाद केसरिया पेड़ा, गुड़, चना एवं फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया गया। सुनील मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ का पूजन कर पाठ वाचकों का चंदन-वंदन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।पाठ वाचक मनीष सारस्वत एवं ओम शर्मा ने सहयोगियों के साथ ढोलक और ढपली की स्वर लहरियों के बीच श्री गणेश वंदना के साथ श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ किया। पाठ के दौरान भजनों की प्रस्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु श्री हनुमान जी की आराधना में लीन नजर आए। श्री सुंदरकांड पाठ के समापन के बाद पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इसके पश्चात महाआरती हुई और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद, पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा, मनीष साहू ने गिरिगोला तथा राजेश जायसवाल ने फल प्रसाद की सेवा निवेदित की। कार्यक्रम में मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, अशोक लड़ियां, कृष्णा, अंकित सिंह, ऋषभ चौरसिया, हिमांशु कुमार सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

एचईसी में लगातार दूसरे दिन अतिक्रमण हटाओ अभियान, विरोध में सड़क पर उतरे लोग

डीपीएस चौक के पास प्रदर्शन से बिरसा चौक-हरमू बाईपास रोड जाम, स्कूल बसों समेत सैकड़ों वाहन फंसे

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के एचईसी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने को लेकर जिला प्रशासन और रांची नगर निगम की कार्रवाई लगातार दूसरे दिन भी जारी रही। बुधवार को भारी सुरक्षा बल की मौजूदगी में निगम और प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर एचईसी क्षेत्र में पहुंची और चिन्हित अवैध एवं अनधिकृत निमार्णों को हटाने की कार्रवाई शुरू की। प्रशासन की इस कार्रवाई का स्थानीय विस्थापितों और प्रभावित परिवारों ने जोरदार विरोध किया।

कार्रवाई के विरोध में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे सड़क पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने डीपीएस चौक के समीप सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते बिरसा चौक-हरमू बाईपास रोड पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। सड़क जाम होने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। स्कूल बसों समेत सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन काफी देर तक जाम में फंसे रहे।

बुलडोजर पहुंचते ही बढ़ा विरोध : स्थानीय लोगों के अनुसार, मंगलवार से एचईसी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई थी। बुधवार को दूसरे दिन भी जब प्रशासनिक टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और बुलडोजर से निमार्णों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई, तो लोगों का आक्रोश बढ़ गया।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लंबे समय से क्षेत्र में रहने वाले परिवारों के घरों को हटाने की कार्रवाई से पहले उनके पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की जानी चाहिए। लोगों ने आरोप लगाया कि उन्हें पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराए बिना ही उनके आशियानों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

विरोध कर रहे लोगों ने सड़क पर बैठकर प्रशासन और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के कारण डीपीएस चौक के आसपास यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। जाम में फंसी स्कूल बसों में मौजूद बच्चों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुनर्वास की मांग पर अड़े विस्थापित : स्थानीय लोगों का कहना है कि वे पिछले कई वर्षों से एचईसी क्षेत्र में रह रहे हैं और उनके परिवारों का जीवन-यापन इसी इलाके से जुड़ा हुआ है। लोगों का कहना है कि अचानक घर हटाए जाने से उनके सामने रहने और परिवार को सुरक्षित रखने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है।

प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि जब तक प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक आवास अथवा पुनर्वास की व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को रोका जाए। लोगों का कहना है कि प्रशासन को पहले प्रभावित परिवारों की स्थिति का आकलन कर उनके पुनर्वास की व्यवस्था करनी चाहिए।

प्रशासन ने कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की बात कही : वहीं, प्रशासन और नगर निगम की ओर से कहा गया है कि एचईसी क्षेत्र में सरकारी एवं एचईसी की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, चिन्हित अवैध और अनधिकृत निमार्णों को हटाया जा रहा है।

प्रशासन का कहना है कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे भी जारी रहेगा। कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

तनाव के बीच पुलिस ने संभाला मोर्चा : प्रदर्शन और सड़क जाम के बाद मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था सामान्य कराने का प्रयास किया। प्रशासन की टीम पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। फिलहाल क्षेत्र में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और प्रभावित लोगों के पुनर्वास को लेकर प्रशासन तथा स्थानीय लोगों के बीच गतिरोध बना हुआ है। आने वाले दिनों में इस मामले को लेकर स्थिति और स्पष्ट होने की संभावना ।

सेक्टर-3 मार्केट में पांच दुकानों के ताले टूटे, लगातार चोरियों से दुकानदारों में आक्रोश

फोरेंसिक और डॉग स्क्वायड की टीम ने जुटाए सुराग, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-3 मार्केट में चोरों ने एक बार फिर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी है। बीती रात अज्ञात चोरों ने मार्केट की करीब पांच दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकानों से नकदी समेत कई सामान लेकर फरार हो गए। सुबह दुकान खोलने पहुंचे कारोबारियों को जब दुकानों के ताले टूटे मिले तो पूरे बाजार में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में दुकानदार मौके पर जुट गए और लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर आक्रोश जताया।

घटना की सूचना मिलने के बाद धुर्वा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू की। वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट्स और डॉग स्क्वायड की टीम को भी बुलाया। टीम ने दुकानों के अंदर और आसपास के इलाकों की जांच कर संभावित सुराग जुटाए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर चोरों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

पांच दुकानों के टूटे ताले, सामान और नकदी ले गए चोर : जानकारी के अनुसार, चोरों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए सेक्टर-3 मार्केट की कई दुकानों को निशाना बनाया। करीब पांच दुकानों के ताले तोड़े गए। दुकानदारों के मुताबिक, चोरों ने दुकानों के अंदर रखी नकदी और अन्य सामान पर हाथ साफ किया। हालांकि, चोरी में कुल कितने रुपये और कितने सामान की क्षति हुई है, इसका विस्तृत आकलन दुकानदारों द्वारा किया जा रहा है।

सुबह दुकान पहुंचने पर कारोबारियों ने जब शटर और ताले टूटे देखे तो तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आसपास के लोगों से भी जानकारी ली।

लगातार हो रही चोरी से दुकानदारों में नाराजगी : स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि सेक्टर-3 मार्केट पिछले कुछ समय से चोरों के निशाने पर है। यहां पहले भी कई दुकानों में चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार वारदात होने के बावजूद चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक नहीं लग पाने से कारोबारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

दुकानदारों ने पुलिस प्रशासन से रात के समय इलाके में पेट्रोलिंग बढ़ाने, बाजार की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और चोरी की पुरानी घटनाओं में शामिल अपराधियों का पता लगाने की मांग की है। कारोबारियों का कहना है कि यदि रात में नियमित पुलिस गश्त हो और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाए तो ऐसी घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है।

सीसीटीवी फुटेज से चोरों की तलाश : पुलिस अब सेक्टर-3 मार्केट और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वारदात के दौरान संदिग्ध व्यक्ति या वाहन किस दिशा में गया। फोरेंसिक टीम द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस चोरों की पहचान करने में जुटी है।

निलंबन समाप्त होने पर अभिलाष साहू ने कांग्रेस नेतृत्व का जताया आभार

रांची : झारखंड कांग्रेस के नेता अभिलाष साहू ने अपने निलंबन समाप्त किए जाने पर प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उनके विरुद्ध लगाए गए आरोपों की प्रारंभिक जाँच के आधार पर उनका निलंबन समाप्त किया गया है।

अभिलाष साहू ने कहा कि वह सदैव कांग्रेस के मूल्यों, विशेषकर धर्मनिरपेक्षता तथा समाज के सभी वर्गों के सम्मान के प्रति प्रतिबद्ध रहे हैं। पार्टी में अपनी दीर्घ राजनीतिक सेवा के दौरान उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय की गरिमा और सम्मान के लिए निरंतर कार्य किया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस वीडियो को लेकर उनके चरित्र पर सवाल उठाए गए, उसके निर्माण और पोस्ट किए जाने में उनकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि जाँच समिति निष्पक्ष रूप से तथ्यों की जाँच कर सच्चाई सामने लाएगी। साहू ने जाँच समिति से आग्रह किया कि वह अविलंब अपने निष्कर्ष पर पहुँचे, ताकि कांग्रेसजनों के बीच बनी भ्रम की स्थिति दूर हो सके। उन्होंने कहा, ह्लमैं कांग्रेस पार्टी का निष्ठावान और समर्पित कार्यकर्ता हूँ। सभी धर्मों का सम्मान करता हूँ और धर्मनिरपेक्षता की भावना से ओत-प्रोत हूँ। आगे भी इन्हीं मूल्यों और भावनाओं के साथ पार्टी के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाता रहूँगा।

रांची जिला दुर्गा पूजा समिति के आठवीं बार संरक्षक बने संजय सिंह

रांची: रांची जिला दुर्गा पूजा समिति की बैठक आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल में हुई, जिसकी अध्यक्षता समिति के मुख्य संरक्षक हीरा लाल साहू ने की। रांची जिला दुर्गा पूजा समिति के आठवीं बार मंत्री बने अपर बाजार निवासी नमन भारतीया को मनोनीत किया गया है। उन्हें यह जिम्मेवारी समिति के मुख्य संरक्षक मुनचुन राय व संरक्षक संजय सिंह (लल्लू सिंह) द्वारा दी गयी है। रांची जिला दुर्गा पूजा समिति ने इस बार भव्य तरीके से दुर्गा पूजा मनाने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर बोलते हुए भारतीय ने कहा कि समिति ने जो भरोसा मुझ पर किया है और जो जिम्मेदारी मुझे दी गयी है, मैं उसका ईमानदारी पूर्वक निर्वाह करूंगा। मंत्री बनाए जाने पर नमन भारतीय ने कहा कि इसके लिए मैं रांची जिला दुर्गा पूजा समिति के मुख्य संरक्षक मुनचुन राय, मुख्य संरक्षक अशोक पुरोहित, संरक्षक संजय सिंह (लल्लू सिंह), अध्यक्ष राजेंद्र सिंह , कार्यकारी अध्यक्ष मनोज गुप्ता , महामंत्री कुंदन सिंह एवं अरविंद साह एवं रांची जिला दुर्गा पूजा समिति के कई सदस्य सहित रांची जिला के सभी दुर्गा पूजा समिति का आभार प्रकट करता हूं।

ओबीसी की जातीय गिनती में अलग कॉलम जरूरी : विजय शंकर नायक

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने कहा कि ओबीसी की जातीय जनगणना में अलग और स्पष्ट कॉलम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की नीतियां अनुमान के आधार पर नहीं, बल्कि प्रमाणिक आंकड़ों के आधार पर तय होनी चाहिए।

अर्जुन मुंडा ने की भगवान गणेश की पूजा अर्चना

रांची : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने परिजनों स्वजनों के साथ भगवान श्री गणेश जी की विधिवत पूजा अर्चना की एवं गणपति सब के जीवन में सुख शांति और समृद्धि की कामना की ' मंगलवार को संध्या आरती में झारखंड बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, झारखंड प्रदेश भाजपा के महामंत्री पूर्व विधायक अमर बाउरी, बीजेपी झारखंड प्रदेश के उपाध्यक्ष पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही,प्रदेश मंत्री शैलेंद्र सिंह,भाजपा महानगर के अध्यक्ष वरुण साहू ने भी पूजा उत्सव में भाग लिया एवं गणपति महाराज की आरती कर पूजन किया। लगातार सात दिनों तक गणपति बप्पा रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास पर विराजमान रहेंगे। प्रतिदिन सुबह शाम आरती का आयोजन किया जाएगा।

सीयूजे की डॉ रचना का शोध पर्यटन में एआई का नया मॉडल अंतरराष्ट्रीय जर्नल

संवाददाता

रांची : केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रचना जायसवाल का शोध-पत्र प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल करेंट इश्यूज इन टूरिज्म में प्रकाशित हुआ है। यह जर्नल एबीडीसी-ए श्रेणी और स्कोपस क्यू-1 में शामिल है और इसका इम्पैक्ट फैक्टर 6.0 है। शोध में पर्यटन क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही एजेंटिक एआई के इस्तेमाल की संभावनाओं का अध्ययन किया गया है। इसमें यात्रियों की जरूरतों के अनुसार सहायता उपलब्ध कराने के लिए मल्टी-एजेंट टूरिज्म सपोर्ट सिस्टम (मैट्स) की अवधारणा प्रस्तुत की गई है।

शोध की उपयोगिता : इसके तहत अलग-अलग कृत्रिम बुद्धिमत्ता एजेंट यात्रा योजना, होटल व आवास की खोज, परिवहन और बुकिंग जैसे कार्यों में समन्वित सहायता कर सकते हैं। शोध में बताया गया है कि यात्री की पसंद, पिछली बातचीत और यात्रा संबंधी जरूरतों को समझकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणाली अधिक व्यक्तिगत सेवाएं उपलब्ध करा सकती है। शोध के दौरान तैयार मैट्स प्रोटोटाइप का विशेषज्ञों के माध्यम से मूल्यांकन भी किया गया।

डेटा सुरक्षा : शोध में यह भी बताया गया है कि पर्यटन क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल करते समय सिर्फ तकनीकी सुविधा ही महत्वपूर्ण नहीं है। डेटा की सुरक्षा, पारदर्शिता, भरोसेमंद जानकारी और मानव निगरानी भी जरूरी है। एआई से दी जाने वाली जानकारी और फैसलों पर मानवीय निगरानी बनाए रखना यात्रियों के हित में महत्वपूर्ण होगा। अध्ययन में तकनीकी सुविधा के साथ डेटा सुरक्षा, पारदर्शिता, विश्वसनीय जानकारी और मानवीय निगरानी को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने डॉ रचना जायसवाल की इस उपलब्धि को उच्च गुणवत्ता वाले शोध की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी का कार्यालय, रामगढ़

आम सूचना

एतद द्वारा रामगढ़ जिला अन्तर्गत सभी राशन कार्डधारियों को सूचित किया जाता है कि सरकार के अवर सचिव, खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 2489 दिनांक 08.09.2026 के द्वारा निदेश दिया गया है कि Auto-Deactivation and Enablement of Silent Ration Cards and Duplicate Beneficiaries के क्रियान्वयन दिनांक 01.10.2026 से प्रारंभ हो रहा है। उक्त के निमित्त

(i) साईलेंट राशन कार्ड (छः माह से कोई खाद्यान्न नहीं उठाया हो) प्रत्येक माह के 21 तारीख को चिन्हित किया जाएगा एवं अगले माह के 1 तारीख को स्वतः निष्क्रिय कर दिया जाएगा। निष्क्रिय किये गये कार्ड धारी को तीन माह के भीतर e-KYC एवं आवश्यक सत्यापन कराना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि में e-KYC एवं सत्यापन नहीं कराने पर संबंधित राशन कार्ड रद्द कर दिया जाएगा।

(ii)केन्द्रीय रिपोजिटरी के साथ आधार–आधारित मिलान के माध्यम से डुप्लिकेट के रूप में पहचाने गये लाभार्थियों को निष्क्रिय कर दिया जाएगा। परिवार के मुखिया को एक SMS भेजा जाएगा और सत्यापन तथा e-KYC के लिए तीन महीने की अवधि प्रदान की जाएगी। सफल सत्यापन होने पर लाभार्थी को पात्र राशन कार्ड में सक्रिय किया जाएगा तथा अन्य राशन कार्डो से हटाया जाएगा। निर्धारित अवधि के भीतर e-KYC पूरा न करने पर लाभार्थी का नाम संबंधित राशन कार्ड से हटा दिया जाएगा।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी,
रामगढ

PR 389798 Food Public Distribution and Consumer Affairs(26-27)#D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

जिनपिंग का दिया गया भरोसा भारत के लिए अवसर,अंतिम समाधान नहीं

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात ने भारत-चीन संबंधों को लेकर नई उम्मीद पैदा की है। दोनों नेताओं के बीच इस बात पर सहमति बनी कि मतभेदों को विवाद में नहीं बदलने दिया जायेगा। सीमा विवाद का निष्पक्ष और दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान तलाशने, व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने तथा दोनों देशों के लोगों के बीच आवाजाही बढ़ाने पर भी सहमति दिखाई दी। आर्थिक और व्यापारिक चिंताओं का समाधान खोजने तथा क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सहयोग बढ़ाने की बात भी सामने आई।

इस मुलाकात का एक महत्वपूर्ण पहलू संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार का मुद्दा रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने सुरक्षा परिषद में बदलाव और व्यापक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता पर जोर दिया और चीन की ओर से भी सकारात्मक संकेत दिखाई दिया। ब्रिक्स सम्मेलन के अंतिम दिन प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन सुनने के बाद शी जिनपिंग का उनके साथ ग्रुप फोटो में शामिल होना भी कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण संदेश माना जा रहा है। तस्वीर में मोदी के एक ओर जिनपिंग और दूसरी ओर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का खड़ा होना बदलते वैश्विक समीकरणों का प्रतीक जरूर है।

इन सकारात्मक संकेतों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है- क्या चीन की बदलती भाषा को उसकी बदलती नीति का प्रमाण मान लिया जाए? भारत के लिए यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन के साथ संबंधों का इतिहास भरोसे और अविश्वास, दोनों से भरा रहा है। 1962 का भारत-चीन युद्ध आज भी भारतीय जनमानस में गहरे घाव की तरह मौजूद है। उस समय ह्यहिंदी-चीनी भाई-भाईह्ण का नारा था लेकिन दोनों देशों के बीच युद्ध ने यह साबित कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मित्रता के नारों से अधिक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित और रणनीतिक तैयारी होती है। इसके बाद भी सीमा विवाद समाप्त नहीं हुआ। दशकों तक बातचीत चलती रही, कई समझौते हुए लेकिन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। गलवान घाटी की घटना ने एक बार फिर दोनों देशों के बीच गहरे अविश्वास को सामने ला दिया। इसके बाद सीमा पर सैन्य तैनाती और तनाव ने स्पष्ट कर दिया कि चीन के साथ संबंधों में भारत को हमेशा सतर्क रहना होगा। यही कारण है कि इस बार जिनपिंग की ओर से दिए गए भरोसे को भारत को अवसर के रूप में देखना चाहिए, अंतिम समाधान के रूप में नहीं।

कूटनीति में बयान महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण होता है उनका जमीन पर दिखाई देना। यदि चीन वास्तव में भारत के साथ संबंध सामान्य करना चाहता है तो इसका पहला प्रमाण सीमा पर मिलना चाहिए। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कम होना, सैनिकों की तैनाती में कमी, पूर्व सहमत व्यवस्थाओं का पालन और सीमा विवाद को बातचीत के जरिए आगे बढ़ाना ही चीन की नीयत की वास्तविक परीक्षा होगी। व्यापार के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। भारत और चीन दोनों बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और व्यापारिक संबंधों में सुधार से दोनों को लाभ हो सकता है लेकिन भारत को यह ध्यान रखना होगा कि व्यापार बढ़ाने के नाम पर चीन पर अत्यधिक आर्थिक या तकनीकी निर्भरता न पैदा हो। भारत को चीन के साथ व्यापार चाहिए लेकिन संतुलित व्यापार चाहिए।

सांस्कृतिक संबंधों और लोगों के बीच आवाजाही को बढ़ावा देना भी सकारात्मक कदम है। दोनों देशों के बीच प्राचीन सभ्यतागत संबंध रहे हैं। शिक्षा, पर्यटन, बौद्ध संस्कृति और जनसंपर्क के माध्यम से रिश्तों को बेहतर बनाया जा सकता है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि राजनीतिक और सुरक्षा वातावरण भी भरोसेमंद हो।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के मुद्दे पर चीन का सकारात्मक रुख भी भारत के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता और वैश्विक संस्थाओं में अधिक प्रतिनिधित्व की मांग करता रहा है। यदि चीन इस मुद्दे पर वास्तव में भारत के साथ खड़ा होता है तो यह संबंधों में वास्तविक बदलाव का महत्वपूर्ण संकेत होगा। लेकिन यहां भी भारत को शब्दों से अधिक कार्रवाई पर नजर रखनी चाहिए।

मोदी-जिनपिंग-पुतिन की ग्रुप फोटो इसलिए चर्चा में है क्योंकि तस्वीर कभी-कभी कूटनीति का प्रतीक बन जाती है। लेकिन तस्वीर संबंधों की मंजिल नहीं होती। वह केवल यह बताती है कि बातचीत के दरवाजे खुले हैं। असली सवाल यह है कि इन खुले दरवाजों से दोनों देश आगे किस दिशा में चलते हैं। भारत को इसलिए न तो चीन के प्रति अंधा अविश्वास रखना चाहिए और न ही आंखें बंद करके भरोसा करना चाहिए। सही नीति होगी- ह्यभरोसा लेकिन सत्यापन के साथ। चीन जो कहता है, उसे भारत सुने; लेकिन वह क्या करता है, उसका लगातार मूल्यांकन भी करे। सीमा पर शांति, व्यापार में संतुलन, वैश्विक मंचों पर सहयोग और द्विपक्षीय समझौतों का ईमानदारी से पालन- यही वे कसौटियां हैं जिन पर चीन की नई नीति को परखा जाना चाहिए।यदि चीन अपने शब्दों को व्यवहार में बदलता है तो भारत को भी संबंधों को नई ऊंचाई देने में पीछे नहीं रहना चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य की पहली चौखट बनता एआई

एआई का एक महत्वपूर्ण लाभ शुरूआती स्क्रीनिंग में भी है। व्यक्ति के संवाद, व्यवहार और कुछ डिजिटल संकेतों का विश्लेषण करके एआई संभावित चिंता, अवसाद या अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की पहचान में सहायता कर सकता है। हालांकि ऐसी स्क्रीनिंग को अंतिम चिकित्सकीय निदान नहीं माना जाना चाहिए।

डॉ. प्रियंका सौरभ

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के बीच अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे बड़ी चुनौतियों में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की सीमित उपलब्धता, ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में सेवाओं का अभाव, उपचार की लागत तथा मानसिक बीमारी से जुड़ा सामाजिक कलंक शामिल हैं। ऐसे वातावरण में एआई की चौबीसों घंटे उपलब्धता महत्वपूर्ण अवसर पैदा करती है। व्यक्ति जब चाहे अपनी समस्या साझा कर सकता है और प्रारंभिक स्तर पर जानकारी, भावनात्मक सहारा तथा स्व-सहायता संबंधी सुझाव प्राप्त कर सकता है। एआई आधारित डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म इस दिशा में उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के प्रति सामाजिक झिझक भी एआई के उपयोग को बढ़ावा दे सकती है। अनेक लोग परिवार, मित्र या चिकित्सक के सामने अपनी भावनाएं व्यक्त करने में संकोच करते हैं। अपेक्षाकृत गुमनाम डिजिटल बातचीत उन्हें अपनी चिंता, डर और परेशानियों को शब्द देने का अवसर देती है। इस प्रकार चैटबॉट मानसिक स्वास्थ्य संबंधी संवाद की पहली सीढ़ी बन सकते हैं और व्यक्ति को आवश्यकता होने पर आगे पेशेवर सहायता लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

एआई का एक महत्वपूर्ण लाभ शुरूआती स्क्रीनिंग में भी है। व्यक्ति के संवाद, व्यवहार और कुछ डिजिटल संकेतों का विश्लेषण करके एआई संभावित चिंता, अवसाद या अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की पहचान में सहायता कर सकता है। हालांकि ऐसी स्क्रीनिंग को अंतिम चिकित्सकीय निदान नहीं माना जाना चाहिए। इसका उद्देश्य केवल संभावित जोखिम को पहचानकर व्यक्ति को उचित विशेषज्ञ तक पहुंचाने में सहायता करना होना चाहिए।

भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए बहुभाषी एआई तकनीक भी विशेष महत्व रखती है। यदि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और प्रारंभिक सहायता केवल अंग्रेजी या कुछ सीमित भाषाओं तक रहेगी, तो बड़ी आबादी इससे बाहर रह जाएगी। भाषा-तकनीक और भारतीय भाषाओं के लिए विकसित डिजिटल प्रणालियां इस अंतर को कम कर सकती हैं। भविष्य में ऐसी सेवाओं को टेली-मानस जैसी सरकारी मानसिक स्वास्थ्य पहलों के साथ जोड़कर दूरदराज के क्षेत्रों तक प्रारंभिक सहायता पहुंचाई जा सकती है।

व्यक्तिगत सहायता भी एआई की एक उपयोगी विशेषता हो सकती है। दवा लेने की याद दिलाना, नींद और दिनचर्या पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना, तनाव कम करने के अभ्यास सुझाना या संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा आधारित संरचित स्व-सहायता गतिविधियों में मार्गदर्शन देना कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां एआई सहयोगी भूमिका निभा सकता है। चिकित्सकों के लिए भी एआई मरीजों की नियमित निगरानी, जोखिम वाले मामलों की पहचान और प्राथमिकता तय करने में सहायक हो सकता है। इससे सीमित मानव संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग संभव हो सकता है।

अवसरों के साथ जोखिम भी गंभीर हैं। भावनात्मक संकट में व्यक्ति अत्यधिक संवेदनशील स्थिति में होता है। यदि एआई गलत, अधूरी या संदर्भहीन जानकारी देता है तो वह व्यक्ति की समस्या को और बढ़ा सकता है। किसी नकारात्मक या भ्रमपूर्ण धारणा को चुनौती देने के बजाय चैटबॉट अनजाने में उसे मजबूत कर दे, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एआई सिस्टम में सामान्य सूचना देने वाले चैटबॉट और चिकित्सकीय सहायता देने वाले प्रमाणित उपकरणों के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए।

सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब व्यक्ति एआई को वास्तविक चिकित्सक का विकल्प समझने लगता है। लगातार बातचीत के कारण भावनात्मक निर्भरता भी विकसित हो सकती है। व्यक्ति यह मान सकता है कि मशीन उसकी भावनाओं को पूरी तरह समझती है, जबकि एआई के पास मानवीय अनुभव, नैतिक निर्णय, नैदानिक विवेक और वास्तविक सामाजिक संदर्भ को समझने की सीमाएं हैं।

आत्महत्या या आत्महानि जैसे संकटपूर्ण मामलों में यह सीमा और अधिक गंभीर हो जाती है। व्यक्ति हमेशा सीधे शब्दों में अपनी स्थिति व्यक्त नहीं करता। उसके संकेत अप्रत्यक्ष, अस्पष्ट या सांस्कृतिक संदर्भों में छिपे हो सकते हैं। यदि एआई ऐसी चेतावनियों को पहचानने में विफल रहता है या समय पर मानवीय सहायता से नहीं जोड़ता, तो नुकसान की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए उच्च जोखिम वाले मामलों में चैटबॉट को बातचीत जारी रखने के बजाय प्रशिक्षित व्यक्ति, हेल्पलाइन या आपातकालीन सेवा की ओर तत्काल मार्गदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए।

गोपनीयता भी एक बड़ी चिंता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बातचीत अत्यंत निजी होती है। व्यक्ति अपनी भावनाएं, पारिवारिक परिस्थितियां, संबंध, भय और व्यक्तिगत अनुभव डिजिटल प्रणाली के साथ साझा कर सकता है। ऐसे संवेदनशील डेटा का संग्रह, भंडारण, उपयोग और साझा किया जाना स्पष्ट नियमों तथा मजबूत डेटा सुरक्षा के अधीन होना चाहिए। भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण संबंधी व्यवस्था के संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य डेटा के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त, एआई में मौजूद एल्गोरिद्मिक पक्षपात भी चिंता का विषय है। भारत की भाषाई, सांस्कृतिक, लैंगिक और सामाजिक विविधता इतनी व्यापक है कि एक ही मॉडल सभी समुदायों की मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों को समान रूप से नहीं समझ सकता। किसी एक भाषा, वर्ग या सांस्कृतिक संदर्भ पर आधारित प्रशिक्षण से तैयार प्रणाली दूसरे समुदाय के लिए अनुपयुक्त सलाह दे सकती है।

इसलिए आगे का रास्ता एआई को रोकना नहीं बल्कि उसे जिम्मेदारी के साथ विकसित करना है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी एआई प्रणालियों के लिए स्वतंत्र नैदानिक परीक्षण, नियमित सुरक्षा ऑडिट, स्पष्ट जवाबदेही और संकट-स्थिति में मानव विशेषज्ञ तक पहुंचाने के अनिवार्य प्रोटोकॉल होने चाहिए। उच्च जोखिम वाले मामलों में मानव हस्तक्षेप को वैकल्पिक नहीं बल्कि अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। साथ ही, डिजाइन के स्तर पर ही गोपनीयता, डेटा न्यूनतमकरण और सुरक्षित उपयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

सुदर्शन का हिंदी स्वप्न: ज्ञान की भाषा को व्यवस्था की चुनौती

यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न हिंदी की क्षमता के अलावा व्यवस्था की विश्वसनीयता का भी है। विद्यार्थी यह देखता है कि हिंदी माध्यम से डिग्री लेने के बाद उसका भविष्य क्या होगा। यदि तकनीकी शिक्षा हिंदी में प्राप्त करने के बाद रोजगार बाजार में अंग्रेजी की अनिवार्यता उसके सामने खड़ी हो जाती है, तो वह स्वाभाविक रूप से जोखिम लेने से बचता है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय चेतना को उसकी भाषाओं से अलग करके नहीं समझा जा सकता। जिस देश ने हजारों वर्षों से अपनी ज्ञान परंपरा संस्कृत, प्राकृत, पालि और देशज भाषाओं में विकसित की, वहां आधुनिक भारत में ज्ञान-विज्ञान, चिकित्सा, तकनीक और उच्च शिक्षा का सबसे बड़ा हिस्सा विदेशी भाषा के सहारे आगे बढ़ा। स्वतंत्रता के बाद भी अंग्रेजी उच्च शिक्षा और रोजगार की सीढ़ी बनी रही। ऐसे समय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पांचवें सरसंघचालक कुप्प सी सुदर्शनजी ने एक ऐसा सपना देखा, जोकि सिर्फ हिंदी के विस्तार का स्वप्न न होकर इससे कहीं आगे भारतीय प्रतिभा को ज्ञान अर्जित करने के लिए विदेशी भाषा की बाध्यता से मुक्त करने का आग्रह है। वे चाहते थे कि भारत की अपनी भाषाओं में आधुनिक ज्ञान-विज्ञान की दुनिया खड़ी की जाए।

सुदर्शनजी की दृष्टि में भाषा संवाद का माध्यम होने के अलावा विचार की स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और मौलिक चिंतन का आधार है। उनका मानना था कि जब कोई विद्यार्थी अपनी सहज भाषा में विज्ञान, तकनीक या चिकित्सा को समझता है, तब उसके भीतर प्रश्न पूछने, प्रयोग करने और नए विचार गढ़ने की क्षमता अधिक स्वाभाविक ढंग से विकसित हो सकती है। इसी विचार का एक संस्थागत रूप भोपाल में स्थापित अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के रूप में सामने आया।

19 दिसंबर 2011 को इस विश्वविद्यालय की स्थापना बड़े उद्देश्य के साथ हुई। कल्पना यह थी कि हिंदी में इंजीनियरिंग, चिकित्सा, विज्ञान, प्रबंधन और दूसरे आधुनिक विषयों की उच्च शिक्षा उपलब्ध होगी। यह प्रयोग अपने भीतर एक बड़े भाषायी स्वाभिमान का विचार समेटे हुए था। सवाल था कि क्या हिंदी सिर्फ साहित्य और सामान्य शिक्षा की भाषा रहेगी या वह प्रयोगशाला, अस्पताल, इंजीनियरिंग संस्थान और आधुनिक उद्योग की भाषा भी बन सकेगी?

डेढ़ दशक के आसपास की यात्रा के बाद आज इसी सवाल के सामने विश्वविद्यालय की स्थिति गंभीर चिंता पैदा करती है। 4,280 स्वीकृत सीटों वाले संस्थान में महज 234 विद्यार्थियों का प्रवेश होना और एमए हिंदी जैसे मूल पाठ्यक्रम में एक विद्यार्थी का दाखिला होना उस संकट की गहराई बताता है, जिसकी कल्पना कभी स्वयं सुदर्शनजी ने भी निश्चित रूप से नहीं की होगी। लगभग 68 पाठ्यक्रमों में सात प्रमुख तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश का आंकड़ा शून्य रहना भी संकेत देता है कि विचार बड़ा था, पर उसके अनुरूप संस्थागत तैयारी नहीं हो सकी।

यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न हिंदी की क्षमता के अलावा व्यवस्था की विश्वसनीयता का भी है। विद्यार्थी यह देखता है कि हिंदी माध्यम से डिग्री लेने के बाद उसका भविष्य क्या होगा। यदि तकनीकी शिक्षा हिंदी में प्राप्त करने के बाद रोजगार बाजार में अंग्रेजी की अनिवार्यता उसके सामने खड़ी हो जाती है, तो वह स्वाभाविक रूप से जोखिम लेने से बचता है। भाषा के प्रति भावनात्मक आग्रह रोजगार की निश्चितता का विकल्प नहीं बन सकता। सुदर्शनजी के स्वप्न को सफल बनाने के लिए हिंदी शिक्षा के साथ हिंदी में रोजगार का भरोसा भी पैदा करना होना चाहिए था, पर प्रशासनिक व्यवस्था को जो इस दिशा में करना चाहिए था, दुर्भाग्य से वह आज तक मध्य प्रदेश के भाषायी रूप से हिन्दी प्रदेश होने के बाद भी आज तक संभव नहीं हो पाया है।

तकनीकी शिक्षा की तरह यह संकट हिंदी माध्यम एमबीबीएस के प्रयोग में भी दिखाई दे रहा है। मध्य प्रदेश ने लगभग तीन वर्ष पहले मेडिकल शिक्षा में अंग्रेजी के विकल्प के रूप में हिंदी को स्थापित करने का महत्वाकांक्षी अभियान शुरू किया। लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च कर 50 हजार हिंदी मेडिकल पुस्तकें छापी गईं। 16 विषयों की पुस्तकों का अनुवाद 300 से अधिक डॉक्टरों की टीम ने किया। अनुवाद, मुद्रण और मंदार केंद्रों पर करोड़ों रुपये खर्च हुए। आरंभिक दौर में मुख्यमंत्री और मंत्री स्तर पर अनेक समीक्षा बैठकें हुईं। विद्यार्थियों से संवाद हुआ और इस अभियान से जुड़े लोगों को सम्मानित भी किया गया।

फिर भी आज तस्वीर का दूसरा पक्ष सामने है। अनेक केंद्रों पर ताले की स्थिति, हिंदी पुस्तकों का स्टोर में पड़े रहना, लंबे समय से कार्यसमिति की बैठक न होना और हिंदी प्रकोष्ठ के लिए स्वतंत्र बजट का अभाव यह बताता है कि किसी बड़े भाषायी अभियान को किताबें प्रकाशित करके सफल नहीं बनाया जा सकता, उसके लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति भी चाहिए, जो सिर्फ बोलने से व्यवहार में यानी जमीन पर नहीं उतरने वाली है।

सबसे गंभीर प्रश्न विद्यार्थियों के भरोसे का है। हिंदी और अंग्रेजी दोनों में प्रश्नपत्र उपलब्ध होने के बावजूद पिछले तीन वर्षों में किसी विद्यार्थी द्वारा हिंदी में परीक्षा नहीं लिखना अपने आप में बड़ा संकेत है। विद्यार्थियों के बीच यह धारणा बन जाना कि हिंदी में उत्तर लिखने पर कम अंक मिल सकते हैं या शून्य अंक का खतरा हो सकता है, पूरे अभियान की बुनियादी कमजोरी को सामने लाता है। जब तक परीक्षा, मूल्यांकन, शिक्षक प्रशिक्षण और प्रशासनिक व्यवस्था हिंदी माध्यम के विद्यार्थी को बराबर का भरोसा नहीं देती, तब तक पुस्तकें अलमारियों से निकलकर कक्षा और परीक्षा कक्ष तक नहीं पहुंचेंगी।

वस्तुतः यहीं पर सुदर्शन जी के स्वप्न को राज्य में मिट्टी में मिलता हुआ हम देखते हैं। क्या हिंदी में ज्ञान संभव है? इसका उत्तर आज विज्ञान और तकनीकी पुस्तकों के हुए अनुवाद दे चुके हैं। प्रश्न अब यह है कि क्या हिंदी में ज्ञान की ऐसी संपूर्ण व्यवस्था बनाई जा सकती है, जिसमें विद्यार्थी पढ़े, परीक्षा दे, शोध करे और अंततः रोजगार भी पाए?

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय को इसी व्यापक मिशन का राष्ट्रीय केंद्र बनाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मातृभाषाओं में उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण आधार देती है। मध्य प्रदेश में हिंदी माध्यम एमबीबीएस का प्रयोग पहले ही हो चुका है। ऐसे में भोपाल स्थित विश्वविद्यालय को हिंदी तकनीकी शब्दावली, उच्च स्तरीय पाठ्यसामग्री, डिजिटल अध्ययन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद और भारतीय भाषाओं में शोध का केंद्रीय केंद्र बनाया जा सकता है।

इसके लिए स्थायी और योग्य प्राध्यापकों की नियुक्ति, आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना, देश के प्रमुख तकनीकी और चिकित्सा संस्थानों से अकादमिक साझेदारी तथा हिंदी माध्यम विद्यार्थियों के लिए रोजगार की ठोस व्यवस्था आवश्यक होगी। सरकार को उद्योग जगत के साथ संवाद कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हिंदी माध्यम से पढ़े विद्यार्थी डिग्री लेकर स्थायी रोजगार प्राप्त करेंगे।

भगवान गणेश : मंगल, समृद्धि और विकसित भारत के प्रेरणास्त्रोत

भगवान श्री गणेश भारतीय संस्कृति के ऐसे बहुआयामी एवं सर्वस्वीकार्य देवता हैं, जिनका स्मरण किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ में किया जाता है। वे केवल विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजित नहीं हैं, बल्कि उनका संपूर्ण व्यक्तित्व ज्ञान, विवेक, दूरदर्शिता, नेतृत्व, धैर्य, आत्मसंयम, संवाद, समावेशिता और कर्मशीलता का अद्भुत संदेश देता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सामाजिक समरसता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब गणेशजी के प्रतीकात्मक व्यक्तित्व को केवल पूजा तक सीमित रखने के बजाय उनके जीवन-संदेश को राष्ट्रीय चरित्र और विकास-दृष्टि का आधार बनाना समय की बड़ी आवश्यकता है। गणेश चतुर्थी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा का पर्व बन सकती है। गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है—शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो। गणेशजी का स्मरण हमें बताता है कि विकास का पहला कदम बाहर नहीं, भीतर उठता है—विचारों की शुद्धता और संकल्प

की दृढ़ता से।

गणेशजी का गजमुख उनकी सबसे विशिष्ट पहचान है। हाथी भारतीय मानस में बुद्धि, स्मृति, धैर्य और शक्ति का प्रतीक रहा है। बड़ा मस्तक हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। आज भारत को भी सीमित सोच से बाहर निकलकर वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप दीर्घकालीन और व्यापक दृष्टि विकसित करनी होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और नई औद्योगिक क्रांति के युग में वही राष्ट्र आगे बढ़ेगा जो ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाएगा। गणेशजी का मस्तक मानो संदेश देता है—ज्ञान जितना व्यापक होगा, विकास उतना ही दूरगामी होगा।उनके बड़े कान लोकतांत्रिक नेतृत्व की अनूठी सीख देते हैं। अच्छा नेतृत्व वह नहीं जो केवल बोलता है, बल्कि वह है जो सुनता है। जनता की आकांक्षाओं, युवाओं के सपनों, किसानों की समस्याओं, श्रमिकों की चुनौतियों, महिलाओं की अपेक्षाओं और वंचित वर्गों की आवाज को सुनना ही संवेदनशील शासन की पहचान है। भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने, इसके लिए विकास का मॉडल जनभागीदारी पर आधारित होना चाहिए। गणेशजी के बड़े कान हमें सिखाते हैं कि जनता की आवाज सुनना ही सुशासन की पहली शर्त है।उनकी छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक मानी जाती हैं। आज सूचना और विकल्पों की अधिकता के दौर में ध्यान भटकना आसान है। राष्ट्र के सामने भी अनेक चुनौतियां हैं। इसलिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और ऊर्जा अनावश्यक विवादों में नहीं, राष्ट्र के निर्माण में लगनी चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब व्यक्ति से लेकर शासन तक प्राथमिकताओं की स्पष्टता, कार्य में एकाग्रता और परिणाम के प्रति प्रतिबद्धता हो गणेशजी की सूंड अत्यंत संवेदनशील होने के साथ शक्तिशाली भी है। वह सूक्ष्म वस्तु को भी संभाल सकती है और भारी कार्य भी कर सकती है। यह क्षमता हमें परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की प्रेरणा देती है। आज के भारत को भी यही लचीलापन चाहिए। तकनीक बदल रही है, रोजगार के स्वरूप बदल रहे हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था बदल रही है और पर्यावरणीय चुनौतियां बढ़ रही हैं। जो समाज परिवर्तन को समझकर अपनी क्षमता विकसित करेगा, वही भविष्य का नेतृत्व करेगा।

गणेशजी का लंबोदर भी गहरा जीवन-संदेश देता है। इसे विशाल हृदय, सहनशीलता और जीवन की विविधताओं को आत्मसात करने की क्षमता का प्रतीक माना जा सकता है। राष्ट्रनिर्माण में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मनभेद विनाशकारी हो सकते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

जन्म-मृत्यु निबंधन कार्य में समयबद्धता व पारदर्शिता सुनिश्चित करें : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज:उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में जन्म-मृत्यु निबंधन कार्य की समीक्षा को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में जन्म एवं मृत्यु के समयबद्ध निबंधन, प्रमाण-पत्र निर्गमन विलंबित पंजीकरण निजी एवं सरकारी अस्पतालों की भूमिका और निबंधन अभिलेखों के रख-रखाव सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई।समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले सभी बच्चों को डिस्चार्ज के समय जन्म प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। विशेष परिस्थितियों में जन्म अथवा

मृत्यु की घटनाओं का नियमानुसार समय पर निबंधन किया जाए। साथ ही मृत जन्म के मामलों की भी अनिवार्य रूप से रिपोर्टिंग एवं निबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। निजी अस्पतालों द्वारा जन्म-मृत्यु से संबंधित घटनाओं की सूचना सीआरएस पोर्टल के माध्यम से समय पर उपलब्ध कराने तथा संबंधित माता-पिता अथवा परिजनों को अस्पताल स्तर से ही प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। विलंबित जन्म-मृत्यु पंजीकरण के मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रमाण-पत्र निर्गत करने से पूर्व सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं एवं दस्तावेजों की समुचित जांच की जाए तथा सक्षम प्राधिकारी के आदेश के उपरांत ही निबंधन की कार्रवाई की जाए। उपायुक्त ने निजी अस्पतालों के प्रभारी पदाधिकारियों के साथ कम-से-कम माह में एक बार बैठक आयोजित करने, सभी निबंधन इकाइयों का नियमित स्थलीय निरीक्षण करने तथा जन्म-मृत्यु रजिस्टर एवं संबंधित अभिलेखों का उचित रख-रखाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इसके अलावा फर्जी पंजीकरण, यूजर क्रेडेंशियल के दुरुपयोग व जाली प्रमाण-पत्रों की रोकथाम के लिए निबंधकों को नियमित प्रशिक्षण एवं जागरूकता प्रदान करने तथा लॉगिन क्रेडेंशियल साझा नहीं करने एवं समय-समय पर पासवर्ड बदलने का निर्देश दिया गया। समय पर जन्म-मृत्यु पंजीकरण को लेकर प्रचार वाहन पोस्टर-बैनर एवं दीवार लेखन के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया।बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को समीक्षा के दौरान दिए गए निदेशों का ससमय अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अनिल कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार, नगर प्रसाशक साहिबगंज व राजमहल उपस्थित थे।

सड़क और पेयजल की समस्या से जूझ रहे बागदुमा पहाड़ के ग्रामीण उपायुक्त से लगाई गुहार

संवाददाता

साहिबगंज:जिले के बोरियो प्रखंड स्थित बाँझी बाजार बीरबल कांदर पंचायत के बागदुमा पहाड़ पर रहने वाले पीभीटीजी समुदाय के लोगों की जिंदगी आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में गुजर रही है।जहां सरकार की ओर से विकास और सुविधाएं पहुंचाने के दावों के बीच ग्रामीण सड़क,स्वास्थ्य और राशन जैसी मूलभूत जरूरतों के लिए जूझने को मजबूर हैं।उधर अपनी समस्याओं को लेकर मंगलवार को ग्राम प्रधान रूपा पहाड़िया के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण समाहरणालय पहुंचे और उपायुक्त दीपक कुमार दुबे को आवेदन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की।ग्रामीणों ने आवेदन में बताया कि बागदुमा पहाड़ गांव से बिसानपुर तक करीब तीन किलोमीटर की दूरी तक आवागमन के लिए समुचित सड़क की व्यवस्था नहीं है।सड़क की स्थिति खराब होने के कारण ग्रामीणों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।विशेषकर बारिश के दिनों में

ग्रामीणों की समस्या और बढ़ जाती है।ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पेयजल की भी समुचित व्यवस्था नहीं है,जिससे लोगों को पानी के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने उपायुक्त से मामले की उचित जांच कराकर गांव तक सड़क निर्माण कराने तथा पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।आवेदन में ग्रामीण रूपा पहाड़िया ग्राम प्रधान बगडुमा पहाड़,गुहिया पहाड़िया,मदन पहाड़िया,संचा पहाड़िया,चांदी पहाड़ीन,सुरजी पहाड़ीन,पुतली पहाड़ीन,चैती पहाड़ीन,सुशीला पहाड़ीन,गोंदरी पहाड़ीन,बुधरा पहाड़िया,महेश पहाड़िया,सामियल पहाड़िया,गांगी पहाड़ीन सहित अन्य ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं।

जिला कांग्रेस की बैठक में ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा संगठन की मजबूती पर दिया जोर

संवाददाता

साहिबगंज:जिला कांग्रेस कमिटी साहिबगंज की बैठक मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान की अध्यक्षता मे हुई।बैठक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के सदस्य शहजादा अनवर विशेष रूप से उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए शहजादा अनवर ने राज्य एवं देश के कई ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।उन्होंने कहा कि आज देश में सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाने वाले नेताओं में राहुल गांधी सबसे मुखर हैं।उन्होंने कहा,ह्लएक वाहिद शख्स है राहुल गांधी, जो आज सरकार की गलत नीतियों को लेकर सबसे मुखर हैं और जनता की आवाज को मजबूती से उठा रहे हैं।शहजादा अनवर ने कांग्रेस संगठन को मजबूत करने तथा कार्यकताओं की भूमिका पर भी विस्तार

से प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकताओं की जिम्मेदारी केवल चुनाव तक सीमित नहीं है,बल्कि देश और राज्य के लोकतांत्रिक मूल्यों,संविधान और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करना भी उनकी जिम्मेदारी है।उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने,आम लोगों से सीधा संवाद स्थापित करने जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने का आह्वान किया।जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है।उन्होंने सभी पदाधिकारियों व कार्यकताओं से आपसी समन्वय के साथ जनता के बीच सक्रिय रहने और जनसमस्याओं को मजबूती से उठाने की अपील की।बैठक में जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारियों प्रखंड एवं मंडल अध्यक्षों,विभिन्न विभागों के अध्यक्षों तथा वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने भाग लिया।इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों,आगामी कार्यक्रमों तथा राज्य और देश के मौजूदा राजनीतिक एवं जनहित के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।बैठक के उपरांत शहजादा अनवर एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान के साथ सभी कांग्रेसजन जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष सुनील पासवान के पिता की अंत्येष्टि में शामिल होने गंगा घाट पहुंचे।इस दौरान कांग्रेसजनों ने दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।बैठक के अंत में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करने का संकल्प लिया गया।बैठक में बासुकीनाथ यादव,मोहम्मद कलीमुद्दीन,उमेश पाण्डेय, सरफराज आलम,अनिल पाण्डेय,जामुन दास, दिलीप गुप्ता,अली कुरेशी,रिजवान अंसारी,कज्जाफी बिन मुर्शाद,बीबी नूरजहाँ, रियाज, सबदुल, ताबिश इकबाल, सतीश पासवान, मोफिज आलम, औरंगजेब, जाहिद, योगेन्द्र तांती सहित दर्जनों पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत पोषण और बालिका सशक्तिकरण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज:बालिकाओं को सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने उनके पोषण एवं शिक्षा को सुनिश्चित करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत राजमहल प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्री संजय कुमार दास के निदेर्शानुसार किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं को पोषण, किशोर स्वास्थ्य, माहवारी स्वच्छता, आत्मरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक

किया गया। साथ ही गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, बाल श्रम, यौन शोषण से बचाव पीओसीएस ओ अधिनियम एवं किशोर न्याय अधिनियम सहित महत्वपूर्ण कानूनों की जानकारी दी गई।संरक्षण पदाधिकारी सुश्री चंदा कुमारी ने बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा विपरीत परिस्थितियों में साहस एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर, दत्तक ग्रहण एवं सखी वन स्टॉप सेंटर सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं सहायता सेवाओं की जानकारी भी दी गई।कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति पर विशेष जागरूकता अभियान चलाते हुए बालिकाओं एवं युवाओं को सभी प्रकार के नशे से दूर रहने तथा इसके दुष्प्रभावों के प्रति सजग रहने का संकल्प दिलाया गया। माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूक करते हुए सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं बेटी के सम्मान का संदेश देते हुए ह्यएक पौधा बेटी के नामह्न अभियान के तहत पौधारोपण किया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मोहम्मद खालिद व चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक श्री मोहम्मद इकबाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके

अभियंता दिवस पर भारत रत्न विश्वेश्वरैया को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

साहिबगंज:अभियंता दिवस के अवसर पर मंगलवार को झारखंड शिक्षा परियोजना साहिबगंज के कार्यालय कक्ष में भारत रत्न एवं महान अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को श्रद्धापूर्वक याद किया गया।इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मियों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर माल्यार्पण किया तथा देश के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान और उपलब्धियों को स्मरण किया।कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नयन कुमार,झारखंड शिक्षा परियोजना,जिला शिक्षा अधीक्षक सह अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी उर्मिला हांसदा,अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी जयेंद्र कुमार मिश्रा तथा प्रकाश कुमार,सहायक अभियंता ने विश्वेश्वरैया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विश्वेश्वरैया का जीवन एवं कार्य देश के अभियंताओं और युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।उन्होंने इंजीनियरिंग एवं राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देकर देश के विकास को नई दिशा दी।उनके योगदान को हमेशा सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया जाता रहेगा।कार्यक्रम में अनिरुद्ध प्रसाद यादव,राजेंद्र मंडल,सत्य प्रकाश भद्र,कनीय अभियंता चंदन कुमार,कंप्यूटर ऑपरेटर शबनम तबस्सुम,जिला जेंडर समन्वयक मनीष कुमार,एमआईएस प्रदीप कुमार मंडल,जयंत कुमार मंडल,क्षेत्र प्रबंधक अविनाश चंद्र,एसपीएमयू माखन लाल यादव,ब्यूटी कुमारी,आदित कुमार सिन्हा,अंकित अमन,कार्यालय कर्मी वीरू कुमार एवं मनोज कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

खेलो झारखंड 2026 का हुआ आगाज, खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

वॉलीबॉल में प्लस टू उच्च विद्यालय उर्दू जोंका बना विजेता 100 मीटर दौड़ में राधानगर का दबदबा

साहिबगंज/उधवा: उधवा प्रखंड के मोहनपुर पंचायत अंतर्गत खड़दांग मैदान में मंगलवार को प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड 2026 प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख स्टेनशिला सोरेन, राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अटल बिहारी भगत एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की वार्डेन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।प्रतियोगिता में उधवा प्रखंड के विभिन्न उच्च विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अटल बिहारी भगत ने बताया कि प्रतियोगिता के तहत आयोजित वॉलीबॉल मुकाबले में प्लस टू उच्च विद्यालय उर्दू जोंका की टीम विजेता रही, जबकि उच्च विद्यालय

राधानगर की टीम उपविजेता बनी। वहीं 100 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में प्लस टू उच्च विद्यालय राधानगर के खिलाड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि उच्च विद्यालय बेगमगंज के खिलाड़ी उपविजेता रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिलता है। मौके पर शिक्षक उत्पल रविंद्र सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, खिलाड़ी एवं अन्य लोग मौजूद थे।

न्यूज IN ब्रीफ

19 को प्रखंड कार्यालय में धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम तय

साहिबगंज/बरहेट :झामुमो प्रखंड कार्यालय बरहेट में झामुमो प्रखंड समिति की एक बैठक आयोजित की गई।जिसकी अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नाड मरांडी ने किया।श्री मरांडी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जिला समिति के आदेशानुसार आगामी दिनांक 19 सितंबर को प्रखंड कार्यालय में धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम तय हुआ है।सभी 22 पंचायत के अध्यक्ष सचिव सहित सम्मानित कार्यकर्ता गण व्यापक स्तर से प्रचार प्रसार कर तैयारी में लग जाये।बैठक को जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू,पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो नजरूल इस्लाम सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम ने भी संबोधित किया।मौके पर जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम,युवा मोर्चा उपाध्यक्ष देव सोरेन,मोहम्मद अली अंसारी,लखीराम हेंब्रम,अब्दुल मजीद,सुनील सोरेन,चारलेश सोरेन पुसा टुडू,नूर हुसैन अंसारी,लड्डू भगत, मुश्ताक अंसारी,इब्राहिम अंसारी, इस्लाम अंसारी,खालिक आलम, महिला नेत्री बेला किस्कू,सुनीता टुडू,मोनिका सोरेन,सहित सभी 22 पंचायत के अध्यक्ष सचिव सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

एफजेसीसीआई चुनाव संथाल परगना के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पद पर आकाश पांडे की शानदार जीत

साहिबगंज :फेडरेशन झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज संथाल प्रगना के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पद के चुनावी नतीजे घोषित हो गए हैं।इस कड़े मुकाबले में आकाश पांडे ने 34 मत प्राप्त कर शानदार जीत दर्ज की है।वहीं,ईस्टर्न झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष और इस पद के मजबूत दावेदार माने जा रहे राजेश अग्रवाल को हार का सामना करना पड़ा।?आकाश पांडे की इस जीत के बाद व्यापारिक हलकों में खुशी की लहर दौड़ गई है।साहिबगंज जिले के व्यवसायियों और समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया और उन्हें बधाई दी।व्यवसायियों का कहना है कि आकाश पांडे की जीत से क्षेत्र के व्यापारियों की समस्याओं को फेडरेशन स्तर पर मजबूती से उठाया जा सकेगा।वहीं, नवनिर्वाचित क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ने सभी मतदाताओं के प्रति आभार जताते हुए व्यापारी हितों की रक्षा और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए पूरी निष्ठा से काम करने का संकल्प दोहराया।

इग्नू में नामांकन,पुन: पंजीकरण एवं परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 30 तक

साहिबगंज: इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, देवघर के निदेर्शानुसार इग्नू अध्ययन केंद्र-3605 साहिबगंज महाविद्यालय के समन्वयक डॉ.ध्रुब ज्योति कुमार सिंह ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू के जुलाई 2026 सत्र में नव नामांकन एवं पुन: पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर 2026 कर दी गई है। हालांकि,यह तिथि विस्तार सर्टिफिकेट कार्यक्रमों पर लागू नहीं है।उन्होंने कहा कि इच्छुक विद्यार्थी इग्नू के प्रवेश पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन एवं पुन: पंजीकरण कर सकते हैं।इग्नू में यूजी, पीजी डिप्लोमा सहित विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकन की सुविधा उपलब्ध है।इसके साथ ही दिसंबर 2026 सत्रांत परीक्षा के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया भी जारी है। विद्यार्थी 30 सितंबर 2026 तक बिना विलंब शुल्क के परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं।इसके बाद 01अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2026 तक ?1,100 विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म भरा जा सकेगा।समन्वयक डॉ.सिंह ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना नामांकन,पुन: पंजीकरण एवं परीक्षा फॉर्म भरना सुनिश्चित करें।

एसाईआर में विस्थापितों के नाम छूटने का खतरा, अवधि दो माह बढ़ाने की मांग

हजारीबाग : झारखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में विस्थापित परिवारों के नाम मतदाता सूची से छूटने का खतरा है। औद्योगिक परियोजनाओं, पावर हाउस, कोयला खदानों और अन्य परियोजनाओं के कारण विस्थापित हुए लोगों को नए स्थान पर आवश्यक दस्तावेज नहीं बन पाने के कारण मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने में परेशानी हो रही है। इसे देखते हुए एसाईआर की समय-सीमा कम से कम दो माह बढ़ाने की मांग की गई है।

विस्थापन की प्रक्रिया : यह बात झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा एवं झारखंड किसान सभा के अध्यक्ष सह पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने सोमवार को प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि हजारीबाग के केरेडारी और बड़कागांव तथा चतरा के टंडवा क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। विस्थापन की प्रक्रिया अब भी जारी है। कई परिवार नए स्थानों पर बस चुके हैं, लेकिन वहां जमीन का दाखिल-खारिज नहीं होने तथा आवासीय प्रमाण-पत्र नहीं बन पाने के कारण उन्हें अन्य जरूरी दस्तावेज तैयार कराने में परेशानी हो रही है। मेहता ने कहा कि कई विस्थापितों का नाम पुराने गांव की मतदाता सूची में दर्ज है और उनके पास आधार कार्ड सहित पुराने दस्तावेज भी हैं। लेकिन वर्तमान निवास स्थल पर आवश्यक प्रमाण-पत्र नहीं होने के कारण एसाईआर में नाम दर्ज कराने में दिक्कत आ रही है। यदि समय रहते इसका समाधान नहीं किया गया तो बड़ी संख्या में पात्र विस्थापित मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित हो सकते हैं।

मुआवजा और भूमि उपलब्धता : उन्होंने कहा कि विस्थापित परिवारों को मुआवजे की समस्या के साथ नए स्थान पर जमीन उपलब्ध कराने की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। कई मामलों में मुआवजे की राशि से कई गुना अधिक कीमत चुकाने के बावजूद उपयुक्त जमीन नहीं मिल पा रही है। पूर्व सांसद ने मांग की कि कंपनियों द्वारा विस्थापित किए गए लोगों को संबंधित कंपनियों की ओर से विस्थापन प्रमाण-पत्र जारी किया जाए, ताकि वे वर्तमान निवास वाले प्रखंड में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के साथ जाति, आवासीय समेत अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्र बनवा सकें। उन्होंने निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार से एसाईआर की अवधि दो माह बढ़ाने की मांग की, ताकि विस्थापित परिवारों को जरूरी दस्तावेज तैयार कराने का पर्याप्त समय मिल सके और कोई पात्र व्यक्ति मतदाता सूची से बाहर न रह जाए।

दिव्यांग बच्चों को लेकर माता-पिता के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

बरकट्ठा : मानव विकास संस्था के तत्वावधान में प्रखंड के तुईओ पंचायत भवन में दिव्यांग बच्चों के माता-ढिता एवं अभिभावकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि उपप्रमुख सुरजी देवी थी।

कार्यशाला का उद्देश्य : कार्यशाला का विषय दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास, देखभाल एवं समावेशन से संबंधित आवश्यक कौशल विकसित करना, उनके लिए जरूरी सहयोग एवं उपायों की जानकारी देना तथा उपलब्ध सरकारी एवं सामाजिक सेवाओं का लाभ उठाने के लिए अभिभावकों को सक्षम बनाना था। कार्यशाला में दिव्यांग बच्चों की विभिन्न आवश्यकताओं, उनके अधिकारों, शिक्षा में समावेशन, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास सेवाओं, सरकारी योजनाओं तथा दिव्यांगता प्रमाणपत्र की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए परिवार और समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

संस्थान का प्रयास : संस्थान सचिव बीरबल प्रसाद ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के विकास एवं अधिकारों की रक्षा के लिए अभिभावकों को जागरूक और सक्षम बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संस्था समुदाय के सहयोग से दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पुनर्वास, सामाजिक सुरक्षा एवं आजीविका से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में तुईओ पंचायत के मुखिया, संस्था सचिव बीरबल प्रसाद, मुखिया शंकर रविदास, पूर्व मुखिया दशरथ यादव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम सफल बनाने में परियोजना समन्वयक राहुल कुमार, रोबिन कुमार, मंजू देवी, अंजू देवी, रोहित टुडू, कार्तिक महतो, मारिया दास बास्के एवं अमृत राम ने अहम भूमिका निभाई।

गणपति बप्पा मोरया!

सितारे जो हर गणेश चतुर्थी पर घर लाते हैं बप्पा

कार्तिक आर्यन

गणेश चतुर्थी अपने साथ भक्ति, उत्सव और परिवार के साथ खुशियां मनाने का अवसर लेकर आती है, और बॉलीवुड भी इससे अछूता नहीं है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारे हर साल बड़े श्रद्धा भाव के साथ अपने घरों में गणपति बप्पा का स्वागत करते हैं। भव्य उत्सवों से लेकर पारिवारिक आरती तक, ये कलाकार पूरे उत्साह और आस्था के साथ इस पर्व को मनाते हैं। सलमान खान सलमान खान के घर गणेश चतुर्थी का उत्सव बॉलीवुड की सबसे चर्चित परंपराओं में से एक है। अभिनेता अपने पूरे परिवार के साथ गणपति बप्पा का स्वागत करते हैं और आरती व पूजा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। उनके परिवार का यह उत्सव प्रेम, एकता और सौहार्द का प्रतीक माना जाता है।

कार्तिक आर्यन भी गणेश चतुर्थी को बेहद श्रद्धा के साथ मनाते हैं। हर वर्ष वे न सिर्फ अपने घर गणपति बप्पा की स्थापना करते हैं, बल्कि सोशल मीडिया पर अपने फैंस के लिए उत्सव की झलकियां भी साझा करते रहते हैं। उनके लिए यह पर्व आशीर्वाद प्राप्त करने, परिवार के साथ समय बिताने और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर होता है।

शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी गणेश चतुर्थी को पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाने के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री अपने घर बप्पा का स्वागत करती हैं और परिवार के साथ पूजा-अर्चना करती हैं। इस ख़ास मौके पर वे अपने प्रशंसकों के साथ इस विशेष अवसर की खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो साझा करती हैं।

श्रद्धा कपूर

श्रद्धा कपूर के लिए भी गणेश चतुर्थी परिवार और आस्था से जुड़ा एक खास त्योहार है। अभिनेत्री अपने परिवार के साथ वर्षों से गणपति उत्सव का हिस्सा रही हैं और आज भी पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ बप्पा का स्वागत करती हैं।

पश्मीना रोशन

युवा अभिनेत्री पश्मीना रोशन भी अपने परिवार के साथ इस शुभ अवसर को बेहद भक्ति भाव से मनाती हैं। वह भगवान गणेश का घर में स्वागत कर उत्सव की भावना को अपनाती हैं और पारिवारिक परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए श्रद्धा और भक्ति का परिचय देती हैं।

सोनाली बेंद्रे

सोनाली बेंद्रे गणेश चतुर्थी को आस्था और पारिवारिक एकजुटता के साथ मनाती हैं। अभिनेत्री अपने प्रियजनों के साथ बप्पा का स्वागत करती हैं और इस पर्व को एक यादगार पारिवारिक उत्सव में बदल देती हैं।

सोनू सूद

अपने सामाजिक कार्यों और लोगों से गहरे जुड़ाव के लिए पहचाने जाने वाले सोनू सूद भी गणेश चतुर्थी को पूरे श्रद्धा भाव से मनाते हैं। अभिनेता इस शुभ अवसर पर गणपति बप्पा का स्वागत कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना और उनका परिवार भी गणेश चतुर्थी का उत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाता है। अभिनेता के लिए यह पर्व आस्था, परिवार, सकारात्मकता और भगवान गणेश के आशीर्वाद का उत्सव है। सुपरस्टार्स से लेकर नई पीढ़ी के कलाकारों तक, ये सभी सितारे साबित करते हैं कि व्यस्त जीवन के बावजूद परंपराएं और आस्था उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनकी गणेश चतुर्थी की झलकियां भक्ति, कृतज्ञता और पारिवारिक एकता की उस भावना को दर्शाती हैं, जो इस पावन पर्व की सबसे बड़ी पहचान है।

रणवीर सिंह बने BMW

इंडिया के नए ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली में आयोजित एक स्पेशल इवेंट के दौरान बीएमडब्ल्यू इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ हरदीप सिंह बरार ने रणवीर सिंह को नए ब्रांड चेहरे के रूप में पेश किया। अपनी नई बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज रेंज लॉन्च की। इस खास मौके पर बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह को बीएमडब्ल्यू इंडिया का नया ब्रांड एंबेसडर के तौर पर पेश किया गया। लॉन्च इवेंट में नई बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज रेंज से पर्दा रणवीर सिंह ने उठाया। इस मौके पर बीएमडब्ल्यू की फ्लैगशिप 7 सीरीज और रणवीर सिंह की मौजूदगी एक साथ देखने को मिली। रणवीर सिंह ने ब्रांड एंबेसडर के तौर पर इस लॉन्च में हिस्सा लिया। बीएमडब्ल्यू के मुताबिक, यह साझेदारी एक्सीलेंस, एम्बिशन और कुछ असाधारण करने की चाह को दर्शाती है। बीएमडब्ल्यू की फ्लैगशिप सेडान पेट्रोल और पूरी तरह इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के साथ उपलब्ध होगी।

शाहरुख 1998 से हुंडई से जुड़े, विक्की कौशल और कार्तिक आर्यन भी कार ब्रांड्स के फेस

40 की उम्र में बिन ब्याही मां बनीं लेडी गागा

मंगेतर माइकल पोलान्स्की के बच्चे को दिया जन्म, नवजात को सीने से लगाए आईं नजर

हॉलीवुड की मशहूर सिंगर और एक्ट्रेस लेडी गागा पहली बार मां बन गई हैं। 40 वर्षीय गागा ने अपने मंगेतर माइकल पोलान्स्की के साथ पहले बच्चे का स्वागत किया है। खास बात यह है कि दोनों ने अब तक शादी नहीं की है और फिलहाल मंगेतर हैं। हाल ही में दोनों को उत्तरी कैलिफोर्निया में अपने नवजात बच्चे के साथ देखा गया।

'14 साल पहले मैंने फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से एक एक्टर के तौर पर अपना डेब्यू किया था और अब इतने सालों बाद मैं चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस कर रही हूं और मैं अभी उनसे कहीं ज्यादा नर्वस हूं। क्योंकि, आपके सवाल का जवाब दूं तो, मुझे एक एक्टर होना और कैमरे के सामने रहना पसंद है, लेकिन एक प्रोड्यूसर होने का एक अलग ही तरह का सुकून है।

बतौर निर्माता 'डोंट बी शाय' को लेकर

नर्वस महसूस कर रहीं आलिया भट्ट

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी प्रोड्यूस आगामी फिल्म 'डोंट बी शाई' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बताया कि वह फिल्म के साथ चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस करने को लेकर ज्यादा नर्वस हैं। ट्रेलर लॉन्च के दौरान आलिया से पूछा गया था कि क्या उन्हें कभी लगा कि उन्हें भी इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी, तो इस पर उन्होंने कहा, 'नहीं, मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी।' आलिया ने फिल्म को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूस करने से उन्हें एक अलग तरह की खुशी मिली है, क्योंकि वह शुरू से ही इसकी कहानी और इसकी दुनिया बनाने में शामिल रही हैं। उन्होंने कहा, एक्ट्रेस ने आगे कहाः 'जब फिल्म की निर्देशक श्रीति मुखर्जी हमारे पास इस मूवी बनाने का आइडिया लेकर आईं, तो हमने ही कहा कि चलो इसे साथ में करते हैं और फिर हम इसे अपने प्यारे पार्टनर्स के पास ले गए। यह कहानी मेरे दिल के बहुत करीब है और हर कोई इससे जुड़ पाएगा।'

श्रीति मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म 'डोंट बी शाय' 20 साल की लड़की श्यामिली 'शाइ' दास की कहानी है, जो मानती है कि उसने ज़िंदगी को समझ लिया है, लेकिन वह देखती है कि उसकी सोची-समझी जिंदगी एक अचानक मोड़ ले लेती है, क्योंकि सब कुछ उसके कंट्रोल से बाहर होने लगता है। इसमें आरुषि बजाज, पीयूष खाती, बियांका अरोड़ा और अंश दुग्गल जैसे नए चेहरे मुख्य भूमिकाओं में हैं। उनके साथ कुणाल रॉय कपूर और नेहा धूपिया भी नजर आएंगे। 25 सितंबर 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है।

एशियाई खेल 2026: जापान पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट टीम, कोच मजूमदार ने चुनौती को लेकर जताई उत्सुकता

एजेंसी

टोक्यो : हाल ही में टी20 एशिया कप का खिताब जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियाई खेल 2026 में अपने अभियान के लिए जापान पहुंच गई है। गत चैंपियन भारतीय टीम की नजरें हांगझोउ में 2023 में जीते स्वर्ण पदक का बचाव करने पर हैं। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि टीम बहु-खेल आयोजन के माहौल का अनुभव लेने के लिए उत्साहित है।

जापान पहुंचने के बाद मजूमदार ने कहा, ह्लटीम एशियाई खेलों को लेकर उत्साहित है और बहु-खेल आयोजन के माहौल का आनंद लेने के लिए तैयार है।ह्व

मजूमदार अपने सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्यों के साथ सुबह की उड़ान से जापान पहुंचे। क्रांति गौड़ और श्री चरणी सहित टीम की कुछ खिलाड़ी कोचिंग स्टाफ के साथ जापान पहुंचीं, जबकि टीम की बाकी सदस्य दिन में बाद में पहुंचने वाली थीं।

मजूमदार ने कहा कि अलग-अलग खेलों के खिलाड़ियों के साथ रहना, गेम्स विलेज में समय बिताना और बहु-खेल मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना खिलाड़ियों के लिए एक अलग अनुभव होगा। उन्होंने कहा, ह्लबहु-खेल आयोजन का माहौल ऐसी चीज है, जिसका टीम बेसब्री से इंतजार कर रही है। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी इस अनुभव का भी आनंद लें।ह्व उन्होंने यह भी बताया कि टीम को आवास को लेकर कोई परेशानी नहीं है।

शानदार फॉर्म के साथ उतरेगी भारतीय टीम

भारतीय टीम हाल के मुकाबलों में शानदार फॉर्म में रही है और इस दौरान श्री चरणी ने गेंदबाजी में अहम भूमिका निभाई है। 22 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर ने टी20 एशिया कप में 12 विकेट लेकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

श्री चरणी ने लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल 30 मैचों में 50 विकेट का आंकड़ा भी पार कर लिया है। एशियाई खेलों में भारत को उनकी फॉर्म से काफी उम्मीदें रहेंगी।

भारत अपने अभियान की शुरूआत 18 सितंबर को मेजबान जापान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले से करेगा। यह मैच निसिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेला जाएगा।

एशियाई खेलों की महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में केवल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं और मुकाबले सीधे क्वार्टर फाइनल चरण से शुरू होंगे। ऐसे में भारतीय टीम के पास शुरूआत में लय हासिल करने के लिए ज्यादा अवसर नहीं होंगे। भारत ने हांगझोउ में 2023 एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीता था और अब टीम अपने खिताब का बचाव करने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना टीम में वापसी, 6 अक्टूबर को होगा विदाई मुकाबला

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के कुछ सप्ताह बाद दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी को अक्टूबर में होने वाले मैत्री मुकाबलों के लिए अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया ने पुष्टि की है कि मेसी को राष्ट्रीय टीम के लिए विदाई मुकाबला खेलने का निमंत्रण दिया गया है। तापिया ने सोशल मीडिया पर कहा, ह्लहमने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, अपनी टीम के आइकन और कप्तान लियोनेल मेसी को छह अक्टूबर को अर्जेंटीना में अपनी टीम के लिए एक योग्य विदाई के लिए खेलने का निमंत्रण दिया है।ह्व अर्जेंटीना अक्टूबर के अंतरराष्ट्रीय विंडो के दौरान तीन घरेलू मैत्री मुकाबले खेलेगा। मेसी के छह अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलने की उम्मीद है। इससे पहले अर्जेंटीना 30 सितंबर को कॉडोर्बा में बोलीविया और तीन अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बुर्किना फासो का सामना करेगा। मेसी ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी। ऐसे में छह अक्टूबर का मुकाबला उनके लिए राष्ट्रीय टीम की जर्सी में विदाई का अवसर बन सकता है। अर्जेंटीना की टीम में लिएंड्रो पेरेदेस, नाहुएल मोलिना और थियागो अल्माडा शामिल नहीं होंगे। विश्व कप फाइनल के बाद स्पेन के खिलाड़ियों के साथ हुए विवाद के चलते तीनों पर लंबा प्रतिबंध लगा हुआ है।

जेम्स रोड्रिगेज ने कोलंबिया की राष्ट्रीय टीम से संन्यास लिया

एजेंसी

बोगोटा : कोलंबिया के स्टार मिडफील्डर जेम्स रोड्रिगेज ने मंगलवार को 15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर के बाद राष्ट्रीय टीम से संन्यास की घोषणा कर दी। 35 वर्षीय रोड्रिगेज ने उत्तरी अमेरिका में हुए हालिया फीफा विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला किया।

रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, ह्लकई वर्षों, मैचों, खुशी के पलों और मुश्किल दौर से गुजरने के बाद मुझे लगता है कि अब अपनी जिंदगी के एक अध्याय को बंद करने का समय आ गया है– कोलंबिया की राष्ट्रीय टीम के साथ मेरा सफर। इस जर्सी को पहनना एक सपना था, लेकिन यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी थी।ह्व

रोड्रिगेज ने 2011 में ला पाज में बोलीविया के खिलाफ जीत के दौरान कोलंबिया के लिए पदार्पण किया था। हालांकि 2014 फीफा विश्व कप में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने टूर्नामेंट में गोल्डन बूट जीता और इसके बाद स्पेन के दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड से जुड़ गए। रियल मैड्रिड के साथ उन्होंने दो ला लीगा खिताब जीते। इसके अलावा वह बायर्न म्यूनिख और एवर्टन के लिए भी खेल चुके हैं।

उन्होंने कहा, ह्लमैं उन पलों को जीने के लिए भाग्यशाली रहा, जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी–विश्व कप, गोल और अविस्मरणीय रातें; ऐसी जीत जिन्होंने हमें विश्वास करना सिखाया और ऐसी हार जिन्होंने हमें मजबूत बनाया। रोड्रिगेज ने कहा, ह्लजब मैंने राष्ट्रीय टीम के साथ सफर शुरू किया था, तब मेरी इच्छा थी कि जब मैं आगे बढ़ूं तो टीम की जर्सी को पहले से अधिक मजबूत स्थिति में छोड़कर जाऊं। पीछे मुड़कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि मैंने यह हासिल किया। उन्होंने आगे कहा, ह्लमुझे नंबर 10 की जर्सी और कप्तान का आर्मबैंड पहनने का सम्मान मिला। मैंने इसे सम्मान, जिम्मेदारी और इस बात की समझ के साथ निभाने की कोशिश की कि कोलंबिया का प्रतिनिधित्व करने का क्या मतलब है। मेरे अच्छे दिन भी रहे और मुश्किल दिन भी, लेकिन मुझे इन रंगों पर गर्व महसूस होना कभी बंद नहीं हुआ।

नेपाल : बाढ़ के 21वें दिन भी तलाश जारी 1,399 शव मिले, 5,179 लोग अब भी लापता

एजेंसी

काठमांडू । नेपाल में गत 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के 21वें दिन भी खोज और राहत अभियान जारी है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार अब तक 1,399 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 5,179 लोग अभी भी लापता हैं।

करीब 21 हजार सुरक्षाकर्मी अब भी खोज, बचाव और राहत कार्यों में जुटे हैं। जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों, नदी के किनारों, आसपास के जंगलों और बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। नेपाली सेना के प्रवक्ता राजाराम बस्नेत के अनुसार सेना के करीब 8,900 जवान सीधे खोज, बचाव और समन्वय कार्यों में तैनात हैं।

सशस्त्र पुलिस के करीब 5,000 जवान भी अभियान में शामिल हैं। इनके द्वारा बचाव अभियान चलाने के साथ ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। नेपाल पुलिस के करीब 8,000 जवान भी खोज और बचाव कार्य में लगाए गए हैं। बाढ़ में रसुवा और नुवाकोट स्थित नेपाल पुलिस के पांच कार्यालय भी बह गए थे, जिन्हें अभी तक पूरी तरह पुनर्स्थापित नहीं किया जा सका है।

रसुवा के स्याफ्रुबेसी क्षेत्र में खोज और बचाव के लिए सेना की तीन टीमें तैनात की गई हैं। बाढ़ में स्याफ्रुबेसी बाजार का बड़ा हिस्सा बह गया था और वहां पहुंचने वाली सड़क भी क्षतिग्रस्त होने के कारण राहत एवं खोज अभियान में देरी हुई।

सेना प्रभावित कोलोनी, तुप्चे, दानसिंग, सामरी भंज्यांग, कालिकास्थान और मानचेत समेत कई इलाकों में पैदल गश्त भी कर रही है। दुर्गम और सड़क संपर्क से कटे इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाया गया है। नेपाली सेना के ड्रोन से नुवाकोट में 16,138 किलोग्राम और रसुवा में 5,861 किलोग्राम राहत एवं आवश्यक सामग्री पहुंचाई जा चुकी है।

चीन सीमा से लगे प्रमुख व्यापारिक बाजार टिमुरे में बाढ़ से भारी तबाही हुई है। सशस्त्र पुलिस की बीओपी को छोड़कर लगभग सभी सरकारी कार्यालय बह गए हैं। तीन सप्ताह बीतने के बाद भी सशस्त्र पुलिस के अलावा अन्य सरकारी एजेंसियां वहां पूरी तरह नहीं पहुंच सकी हैं।

टिमुरे बाजार से 100 से अधिक शव निकाले जा चुके हैं, लेकिन बाढ़ से ध्वस्त मकानों में अब तक खुदाई शुरू नहीं हो पाई है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नेपाल पुलिस की मौजूदगी नहीं होने के कारण भी खुदाई और बरामदगी की प्रक्रिया प्रभावित हुई है। टिमुरे का सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया है। टिमुरे से करीब दो किलोमीटर ऊपर स्थित रसुवागढी नाके तक जाने वाली सड़क भी नहीं है, जबकि टिमुरे से करीब 16 किलोमीटर नीचे स्याफ्रुबेसी तक का मार्ग पूरी तरह बह गया है।

चिलिमे और लांगटांग जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों में विदेशी तकनीकी विशेषज्ञों के साथ संयुक्त बचाव दल खोज अभियान चला रहा है। चिलिमे परियोजना की सुरंग में पानी निकलने वाली जगह पर छेद बनाकर बचाव दल करीब 130 मीटर अंदर तक पहुंच चुका है। मलबा हटाने के लिए एक्स्कावेटर और लोडर का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अपर त्रिशूली-1 के ह्यऑडिट-3ह्ल में नेपाली सेना और परियोजना के प्रतिनिधियों सहित बचाव दल करीब 600 मीटर अंदर तक पहुंच चुका है। वहीं त्रिशूली-3ए की सुरंग और पावर हाउस क्षेत्र में भी संयुक्त टीम खोज अभियान चला रही है।

त्रिशूली-3बी में नेपाली सेना सहित संयुक्त टीम एक्स्कावेटर और लोडर से मलबा हटाने में जुटी है। परियोजना के आवासीय क्षेत्र में दो आवासीय भवनों के प्लिंथ के अलावा अभी कोई अन्य संरचना नहीं मिली है।

सेवा ही भाजपा का संकल्प, जनकल्याण हमारी प्राथमिकता : केदार कश्यप

- 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान, बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचेगा जनसेवा का अभियान

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता केदार कश्यप ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्रसेवा का संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाला ₹सेवा संकल्प अभियान₹ इसी सेवाभाव को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्रदेशभर में भाजपा कार्यकर्ता रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान, पौधरोपण और जरूरतमंदों की सेवा जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण के संदेश को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ा जाएगा।

केदार कश्यप ने बताया कि बस्तर में इस अभियान को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे,

जिनमें स्थानीय समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में बस्तर शांति, विश्वास और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार अंतिम गांव तक पहुंचाने के साथ केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है। केदार कश्यप ने भाजपा कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान में अधिक से अधिक सहभागिता करने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा, स्वच्छता और सामाजिक सरोकारों को जनआंदोलन का स्वरूप देना ही विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित बस्तर की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित स्कूल बस पलटी, पांच बच्चे घायल

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बेला थाना क्षेत्र के कानपुर मार्ग पर बबनौती मोड़ के पास बुधवार सुबह बच्चों से भरी सौरभ एकेडमी इंटर कॉलेज बरकसी बेला की स्कूल बस अनियंत्रित होकर खंती में पलट गई। हादसे के बाद बस में सवार बच्चों में चीख-पुकार मच गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई बच्चा गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। करीब पांच-छह बच्चों को मामूली चोटें आईं। बस में करीब 30 बच्चे सवार थे। बुधवार सुबह बस बच्चों को लेकर जा रही थी। बबनौती मोड़ के पास अचानक बस के ब्रेक फेल हो गए। चालक राम विलास ने बस को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली और बस सड़क किनारे खंती में पलट गई। हादसा होते ही आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। सूचना पर बेला थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायल बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद कुछ बच्चों को उनके परिजन अपने साथ घर ले गए, जबकि अन्य बच्चों का अस्पताल में उपचार कराया गया। अपर पुलिस अधीक्षक आलोक मिश्रा ने बताया कि बस में करीब 30 बच्चे सवार थे। प्रारंभिक जांच में ब्रेक फेल होने की बात सामने आई है। चालक को हिरासत में लेकर पुलिस घटना की जांच कर रही है। वहीं, बस को सीज कर दिया गया है।

बंगाल में दुर्गा पूजा से पहले 25 हजार करोड़ की परियोजनाओं का होगा शिलान्यास

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में बड़े औद्योगिक निवेश को लेकर चर्चा के बीच भाजपा की प्रदेश महासचिव लॉकेट चटर्जी ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उद्योगपति और आरपी-संजिव गोयनका समूह के चेयरमैन संजीव गोयनका का एक वीडियो साझा किया है। वीडियो में गोयनका पश्चिम बंगाल में बड़े निवेश की योजना और निकट भविष्य में परियोजना को आगे बढ़ाए जाने की बात करते नजर आ रहे हैं।गोयनका ने पश्चिम बंगाल में करीब 25 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव का उल्लेख किया है। लॉकेट चटर्जी ने इसे बंगाल में निवेश और औद्योगिक विकास के संदर्भ में साझा करते हुए ह्यपहले और अबह्ल की तुलना का राजनीतिक संदेश दिया है। गोयनका ने बताया कि राज्य में वितरण कारोबार को मजबूत करने के लिए अब तक मुख्य रूप से वितरण नेटवर्क के आधुनिकीकरण, मीटरिंग व्यवस्था और अन्य कार्यों पर हर साल करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश किया जाता रहा है। उनके मुताबिक, अब करीब 25 हजार करोड़ रुपये के बड़े निवेश का

प्रस्ताव राज्य सरकार के समक्ष रखा गया है और इसे सरकार की मंजूरी भी मिल चुकी है। गोयनका ने यह भी संकेत दिया है कि इस निवेश से जुड़ी परियोजना का शिलान्यास दुगार्पूजा से पहले किया जा सकता है। उन्होंने निवेश प्रस्ताव के तेजी से आगे बढ़ने पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि अपने पूरे कार्यजीवन में उन्होंने इस तरह के प्रस्ताव को इतनी तेजी से आगे बढ़ते हुए देखने की कल्पना नहीं की थी। उनके अनुसार, सामान्य तौर पर इतने बड़े निवेश प्रस्ताव को तैयार करने में ही कई वर्ष लग जाते हैं। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के पहले पांच हजार मेगावाट-घंटे क्षमता वाली बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना का शिलान्यास होने जा रहा है। गोयनका समूह की ओर से इससे पहले ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ी बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना की घोषणा की जा चुकी है। दिसंबर 2025 में संजीव गोयनका ने 5,000 मेगावाट-घंटे क्षमता वाली बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना के लिए करीब 12 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी। परियोजना का उद्देश्य बिजली की मांग के अनुसार ऊर्जा का भंडारण करना और कोलकाता की बिजली आपूर्ति में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना है। गोयनका के अनुसार, परियोजना के पूरा होने के बाद कोलकाता की बिजली जरूरतों का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा से पूरा करने में मदद मिल सकती है। गोयनका समूह ने दिसंबर 2025 में ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में कुल 15,800 करोड़ रुपये के प्रस्तावित पूंजीगत निवेश की जानकारी दी थी। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा 5,000 मेगावाट-घंटे की ऊर्जा भंडारण परियोजना का था, जिस पर करीब 12 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान बताया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर पूरे बंगाल में जलेंगे आशीर्वाद के दीप : शुभेंदु

एजेंसी

कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्यभर में ह्यआशीर्वाद के दीपह्ल जलाने का आह्वान किया है। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना के लिए आगामी 17 सितंबर को दीप प्रज्ज्वलित कर प्रार्थना करने की अपील की है। शुभेंदु अधिकारी ने

बुधवार सुबह अपने वीडियो संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को विशेष रूप से मनाने के साथ उनकी 25 वर्षों की जनसेवा और राष्ट्रसेवा की यात्रा को भी स्मरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से लेकर देश के प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करने तक नरेन्द्र मोदी की सार्वजनिक जीवन की यह यात्रा 7 अक्टूबर को 25 वर्ष पूरी करने जा रही है। इसी अवसर को स्मरणीय बनाने के लिए ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ल शुरू किए जाने की बात शुभेंदु अधिकारी ने कही। उन्होंने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर पूरे राज्य में ह्यआशीर्वाद के दीपह्ल प्रज्ज्वलित करने का आह्वान करते हुए कहा कि सर्वशक्तिमान ईश्वर से नरेन्द्र मोदी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना की जाएगी, ताकि वह आने वाले वर्षों में भी देशसेवा के लिए स्वयं को समर्पित रख सकें। शुभेंदु अधिकारी ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर राज्य के लोगों से इस अभियान में सहभागी बनने की अपील की।

विश्व ओजोन दिवस पर मुख्यमंत्री माझी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

भुवनेश्वर : विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने ओजोन परत के संरक्षण और पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा कि विश्व ओजोन दिवस ओजोन परत की रक्षा और पर्यावरण के नाजुक संतुलन को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर है। उन्होंने कहा कि ओडिशा सतत विकास को बढ़ावा देने, पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित एवं स्वस्थ भविष्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने लोगों से जिम्मेदार विकल्प अपनाने तथा स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों के माध्यम से स्वच्छ, हरित और समृद्ध ओडिशा के लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सकता है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में उतार चढ़ाव के बीच तेजी का रुख, गिर कर सुधरे सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार आज शुरूआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। बिकवाली के दबाव में ये दोनों सूचकांक गिर कर कुछ देर के लिए लाल निशान में भी पहुंचे, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर इन दोनों सूचकांकों को वापस हरे निशान में पहुंचा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.28 प्रतिशत और निफ्टी 0.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 245.49 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,249.31 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 250 अंक से भी ज्यादा उछल कर 74,505.86 अंक तक आ गया। इसके तुरंत बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो गई। बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स पहले आधे घंटे के कारोबार में ही अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में 73,981.33 अंक के स्तर तक गिर गया।

इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे यह सूचकांक

रिकवर कर वापस हरे निशान में पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 209.59 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 74,213.41 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 83 अंक यानी 0.36 प्रतिशत उछल कर 23,201.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही लिवाली के सपोर्ट से पहले पांच मिनट में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से लगभग 80 अंक की छलांग लगा कर 23,281.15 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया।

शेयरों की लगातार बिक्री होने की वजह से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले निफ्टी गिर कर लाल निशान में 23,116.10 अंक के स्तर पर पहुंच गया इसके तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 71.75 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,190.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,933 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 657 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,276 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर नौ शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजी, आईटीसी और नेस्ले के शेयर 1.93 प्रतिशत से लेकर 1.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी), एनटीपीसी, ओएनजीसी और टीसीएस के शेयर 1.66 प्रतिशत से लेकर 0.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 777.94 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,003.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 279.50 अंक यानी 1.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,118.60 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

मंदिर से चोरी हुई चार मूर्तियां झाड़ी से बरामद, चोरों की तलाश जारी

सीवान : जिले में गुठनी थाना क्षेत्र के पतौवा-खड़खड़िया गांव स्थित शिव मंदिर से मंगलवार की रात चोरी हुई चार मूर्तियां बुधवार को मैरवा थाना क्षेत्र के लेभरी गांव के चंवर से बरामद कर ली गईं। मूर्तियां सड़क किनारे झाड़ी में छिपाकर रखी गई थीं। पुलिस ने बरामद मूर्तियों को मंदिर के पुजारी को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार देर शाम मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद पुजारी जितेंद्र मिश्र अपने घर मिश्रछपरा चले गए थे। मंदिर में रात के समय किसी के नहीं रहने का फायदा उठाकर चोरों ने स्थापित स्थान से कीमती पत्थर से निर्मित चार मूर्तियों को तोड़कर चोरी कर लिया। बुधवार सुबह पुजारी और ग्रामीण मंदिर पहुंचे तो मूर्तियां गायब मिलीं। इसके बाद ग्रामीणों ने घटना की सूचना गुठनी थानाध्यक्ष सुनील कुमार को दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष पुलिस टीम के साथ मंदिर पहुंचे और घटना की जांच शुरू की। ग्रामीण भी अपने स्तर से मूर्तियों की तलाश में जुट गए। इसी दौरान मैरवा थाना क्षेत्र के लेभरी गांव के चंवर में सड़क किनारे झाड़ी में छिपाई गई मूर्तियां ग्रामीणों को दिखाई दीं। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद थानाध्यक्ष सुनील कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से चारों मूर्तियों को बरामद कर लिया। चोरी हुई मूर्तियों में मां लक्ष्मी, मां सरस्वती तथा राधा-कृष्ण की प्रतिमाएं शामिल हैं। ग्रामीणों का कहना है कि चोरों ने मूर्तियों को उनके स्थान से तोड़कर निकालने में काफी समय लगाया होगा। सुबह होने का अंदेशा होने पर उन्होंने मूर्तियों को झाड़ी में छिपा दिया होगा, ताकि बाद में मौका देखकर उन्हें वहां से ले जा सकें। वहीं, पुलिस का कहना है कि पुलिस की सक्रियता को देखते हुए चोर मूर्तियों को झाड़ी में छोड़कर फरार हो गए होंगे। मंदिर से मूर्तियों की चोरी की घटना को लेकर ग्रामीणों में चिंता और आक्रोश है। पुलिस अब घटना में शामिल चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच-पड़ताल कर रही है।

पटना में दो जगह छापेमारी, 204 लीटर विदेशी शराब बरामद

पटना : मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग की ईआईबी टीम को मिली सूचना के आधार पर पटना जिला उत्पाद टीम के सहयोग से बुधवार को जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की गई। दोनों कार्रवाइयों में कुल 204 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। पहली कार्रवाई कदमकुआं थाना क्षेत्र के पूर्वी लोहानीपुर में की गई। यहां छापेमारी के दौरान 112.5 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। मामले में राजा साहनी और शंकर कुमार के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज करने की कार्रवाई के लिए बरामद शराब को पटना जिला उत्पाद टीम को सौंप दिया गया। दूसरी कार्रवाई दीदारगंज थाना क्षेत्र के फतेहपुर चक में की गई। यहां से 91.5 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जिसे आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए पटना जिला उत्पाद टीम को सौंप दिया गया। उत्पाद विभाग के अनुसार, दोनों स्थानों पर की गई कार्रवाई में कुल 204 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। मामले में आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है।

पानी घटने की रफ्तार धीमी, कर्ज के दलदल में डूबे दियारा के किसान

भागलपुर : जिले के बाढ़ प्रभावित प्रखंडों में स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। बाढ़ का पानी तो स्थिर हुआ है, लेकिन इसके घटने की रफ्तार बेहद धीमी है। इसके कारण प्रभावित इलाकों में जनजीवन पूरी तरह ठप है और लोगों के आवागमन का एकमात्र साधन नाव ही बचा है। हर तरफ पानी फैले होने से दियारा क्षेत्र के किसानों के सामने भुखमरी और आर्थिक तबाही का संकट खड़ा हो गया है। बाढ़ की विभीषिका ने खेतों में खड़ी फसलों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। प्रभावित किसानों के अनुसार, इस साल आई बाढ़ ने मक्का, धान, मिर्च और मौसमी सब्जियों को भारी नुकसान पहुँचाया है। केवल पीरपैंती प्रखंड की 18 पंचायतों में ही लगभग 56 सौ हेक्टेयर में लगी फसल पूरी तरह बाढ़ की चपेट में आ चुकी है। मोहनपुर मधुबन के किसान इन्द्रदेव मंडल और बाखरपुर के चरितर मंडल ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा, ₹बाढ़ ने हमारी मेहनत पर पानी फेर दिया है। मक्का और मिर्च की फसलें सड़ चुकी हैं। अब परिवार चलाने का संकट खड़ा हो गया है। दियारा क्षेत्र में खेती करना हर साल जुआ खेलने जैसा हो गया है। स्थानीय किसान वरुण यादव, गांधी तिवारी, प्रदीप सिंह, विनोद पांडे और कुंदन यादव ने बताया कि यहाँ के अधिकांश किसान हर साल किसान क्रेडिट कार्ड और महाजनों से ऊंचे ब्याज पर कर्ज लेकर खेती करते हैं। किसानों ने दर्द बयां करते हुए कहा, ₹हर साल बाढ़ की विभीषिका हमें कर्ज के दलदल में धकेल देती है। इस बार तो फसल पूरी तरह नष्ट होने के कारण खेत की जोताई, खाद और मजदूरों की मजदूरी तक की कीमत चुकता कर पाना नामुमकिन हो गया है। बाढ़ ने सबसे गहरा जख्म उन गरीब किसानों को दिया है जो बटाईदारी पर जमीन लेकर खेती करते हैं।

बटाईदारों को न केवल जमीन मालिक को तय हिस्सा या रकम देनी होती है, बल्कि पूरी लागत भी खुद लगानी पड़ती है। फसल डूबने के बाद अब उनके पास न तो खाने के लिए अनाज बचा है और न ही अगली फसल की बुआई के लिए पूंजी। जिले के विभिन्न प्रभावित प्रखंडों के किसानों ने सरकार और जिला प्रशासन से अविलंब फसलों के नुकसान का उचित आकलन कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि उन्हें ऋण माफी, उचित मुआवजा और अगली फसल के लिए मुफ्त बीज व खाद दिए जाएं, ताकि वे इस भारी आर्थिक संकट से उबर सकें।

कांग्रेस ने मोदी सरकार की विदेश व व्यापार नीति की निंदा की

नई दिल्ली : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिकी टैरिफ और व्यापार नीति को लेकर केंद्र सरकार की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अमेरिकी दबाव के सामने झुक रही है, जिसका खामियाजा देश के 140 करोड़ नागरिकों, किसानों और उद्योगों को भुगतना पड़ रहा है। खरगे ने बुधवार को एक्स पोस्ट में कहा कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की हालिया चेतावनी सरकार की विदेश एवं व्यापार नीतियों की विफलता को दशार्ती है। पहले 25 प्रतिशत, फिर 50 प्रतिशत और अब 100 प्रतिशत टैरिफ का खतरा सामने है। इससे देश के दवा उद्योग, कपड़ा, इंजीनियरिंग सामान, रसायन, ऑटो कंपोनेंट्स, रत्न एवं आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भारी झटका लग सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि एक तरफ भारतीय सामानों पर भारी आयात शुल्क का खतरा मंडरा रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ मोदी सरकार ने एक ऐसे व्यापार ढांचे (ट्रेड फ्रेमवर्क) पर सहमति जताई है, जिससे भारतीय कृषि क्षेत्र में अमेरिकी उत्पादों की पहुंच आसान होगी। खरगे ने इसे देश के किसानों के हितों को गिरवी रखने वाला कदम बताया। उन्होंने दावा किया कि इस व्यापार समझौते के तहत भारत को अगले पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। खरगे ने यूपीआई पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के मुद्दे का उल्लेख करते हुए इसे सरकार की कमजोरी का ताजा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि टैरिफ और व्यापार से लेकर एच-1बी वीजा और डिजिटल भुगतान तक के मामलों में वॉशिंगटन का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

अभिलाष साहू की कांग्रेस में वापसी पर उठे सवाल, मुस्लिम कार्यकर्ताओं में नाराजगी

रांची : कांग्रेस नेता अभिलाष साहू की पार्टी में दोबारा सक्रिय भूमिका और उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दिए जाने को लेकर पार्टी के भीतर सवाल उठने लगे हैं। खासकर पार्टी से जुड़े कुछ मुस्लिम कार्यकताओं और समर्थकों में इस फैसले को लेकर नाराजगी की बात सामने आ रही है।

दरअसल, पूर्व में वायरल हुए एक वीडियो को लेकर अभिलाष साहू और अमरेंद्र सिंह के खिलाफ कांग्रेस की ओर से अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई थी। इस मामले में मुस्लिम समाज को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मॉडल की कथित तौर पर तारीफ किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। मामले के बाद अभिलाष साहू को निलंबित किया गया था।

हालांकि बाद में उनका निलंबन वापस ले लिया गया और उन्हें फिर से प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी गई। इसी फैसले को लेकर कांग्रेस के अंदर एक वर्ग में असंतोष की चर्चा है। नाराज कार्यकताओं का कहना है कि जिन टिप्पणियों को लेकर कार्रवाई की गई थी, उसी मामले में बाद में निलंबन वापस लेने के फैसले से कार्यकताओं में गलत संदेश जा रहा है।

मुस्लिम कांग्रेस कार्यकताओं का कहना है कि पार्टी नेतृत्व को ऐसे मामलों में सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेना चाहिए। उनका कहना है कि झारखंड में लिए जा रहे ऐसे फैसलों पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को संज्ञान लेकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष समीक्षा करनी चाहिए।

कार्यकताओं का यह भी कहना है कि यदि समय रहते असंतोष को दूर नहीं किया गया, तो पार्टी के भीतर विरोध की स्थिति और बढ़ सकती है। उनका आग्रह है कि नेतृत्व पूरे मामले के तथ्यों की समीक्षा कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करे, ताकि कार्यकताओं के बीच विश्वास बना रहे और संगठनात्मक एकजुटता प्रभावित न हो।

बरसलोया बाजार टांड़ के जर्जर शेड का जिला परिषद अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

कोलेबिरा : प्रखंड क्षेत्र के बरसलोया पंचायत अंतर्गत बरसलोया पंचायत क्षेत्र का मंगलवार को जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग ने दौरा किया।इस दौरान उन्होंने बाजार टांड़ पहुंचकर वहां स्थित जर्जर बाजार शेड का निरीक्षण किया।मौके पर बरसलोया पंचायत के मुखिया संदीप सद मुंडा,हरिहर सिंह,शतरुंजय सिंह,सुनील सिंह,कष्टु सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान शतरुंजय सिंह,सुनिल सिंह,हरिहर सिंह एवं ग्रामीणों ने जिला परिषद अध्यक्ष को बाजार शेड की जर्जर स्थिति से होने वाली परेशानियों से अवगत कराया।ग्रामीणों ने बताया कि बरसलोया में लंबे समय से बाजार लगता आ रहा है और आसपास के गांवों के लोग खरीदारी एवं व्यापार के लिए यहां पहुंचते हैं। लेकिन बाजार शेड जर्जर हो जाने के कारण विक्रेताओं और खरीदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर धूप और बारिश के दिनों में लोगों की परेशानी और बढ़ जाती है।

ग्रामीणों ने बताया कि बाजार शेड का छप्पर कई जगहों से टूट चुका है तथा दीवार भी जर्जर होकर टूटने के कगार पर है।शेड की खराब स्थिति के कारण यहां बैठकर व्यापार करने में लोगों के बीच भय का माहौल बना रहता है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि जर्जर शेड के कारण कभी भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग ने कहा कि ग्रामीणों की सूचना तथा समाचार माध्यमों के जरिए बरसलोया बाजार टांड़ के जर्जर शेड की जानकारी मिली थी।इसी को लेकर उन्होंने स्थल का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान शेड की स्थिति वास्तव में काफी जर्जर पाई गई। उन्होंने कहा कि सब्जी विक्रेताओं एवं खरीदारों को धूप और बारिश के दौरान काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि बाजार शेड के निर्माण की मांग को लेकर जल्द ही संबंधित प्राधिकारी को पत्र लिखा जाएगा और इसके पुनर्निर्माण के लिए हरसंभव पहल की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि शेड निर्माण की दिशा में जल्द कार्रवाई कराने का प्रयास किया जाएगा।

इस दौरान ग्रामीणों ने जिला परिषद अध्यक्ष को हस्ताक्षरयुक्त मांग पत्र सौंपते हुए बरसलोया बाजार टांड़ में नए बाजार शेड के निर्माण की मांग की।ग्रामीणों ने मांग पत्र के माध्यम से कहा कि वर्तमान शेड पूरी तरह जर्जर हो चुका है और कई स्थानों पर टूट गया है,जिसके कारण व्यापारियों एवं आम जनता को काफी परेशानी होती है।जर्जर शेड के कारण कभी भी जनहानि की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने जिला परिषद अध्यक्ष से बाजार शेड का शीघ्र नव निर्माण कराने की मांग की।इस पर जिला परिषद अध्यक्ष ने ग्रामीणों को शेड निर्माण के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया।

सड़क दुर्घटना में दो घायल

चतरा : जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र के टूनगुन गांव के समीप आज दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बंदारू गांव निवासी राजेंद्र गंझू और लालू गंझू घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

बताया गया कि दोनों बाइक सवार किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान टूनगुन गांव के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को उठाया और इलाज के लिए चतरा सदर अस्पताल पहुंचाया।सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया। फिलहाल दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है। दुर्घटना के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

बनमालीपुर में दुर्गा पूजा समिति का गठन, 18 से 20 अक्टूबर तक होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

बनमालीपुर में श्रीश्री दुर्गा पूजा समिति का गठन

18 से 20 अक्टूबर तक जनजातीय उत्सव में होंगी विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

संवाददाता

चक्रधरपुर : बनमालीपुर में वर्ष 2026 के श्रीश्री दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर श्रीश्री दुर्गा पूजा समिति बनमालीपुर का गठन किया गया। लट्ठु उरांव कल्याण समिति, बनमालीपुर के सौजन्य से आयोजित होने वाले दुर्गा पूजा महोत्सव एवं जनजातीय उत्सव को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

समिति में चक्रधरपुर नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव को अध्यक्ष तथा मदन बोदरा को सचिव बनाया गया है। वहीं विधायक सुखराम उरांव को मुख्य संरक्षक तथा सरस्वती उरांव को संरक्षक बनाया गया है। लट्ठु उरांव कल्याण समिति के सचिव दीनानाथ प्रधान को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। उपाध्यक्ष के रूप में मिथुन गागराई एवं बंदगांव प्रखंड प्रमुख पीटर तियु को शामिल किया गया है।

सह सचिव के रूप में टिंकु प्रधान, कलिया प्रमाणिक एवं महेंद्र पुरती को जिम्मेदारी सौंपी गई है। लालू दास को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। समिति में प्रदीप महतो, पिरु हेम्ब्रम, विनय प्रधान एवं अमर बोदरा को भी शामिल किया गया है।

मेला सलाहकार समिति गठित

दुर्गा पूजा मेला के सफल संचालन के लिए मेला सलाहकार समिति का भी गठन किया गया है। इसमें मुखिया सोमनाथ कोया, प्रमुख ज्योति सिजुई, जिला परिषद सदस्य मीना जोंको, मुखिया पिंकी जोंको, ताराकांत सिजुई, पदमा दोंगो, सेलय मुंडा, श्याम मुंडा, मेलानी बोदरा, अरविंद तिग्गा, मथुरा गागराई, शांति देवी, सुनीता सामाड, कृष्णा मुखी, मंजुश्री तियू, शिव शंकर महतो, कश्मीर कांडेयंग एवं रंजीत मंडल को शामिल किया गया है।

18 से 20 अक्टूबर तक होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

लट्ठु उरांव कल्याण समिति के सौजन्य से आयोजित जनजातीय उत्सव के तहत 18 से 20 अक्टूबर तक विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

18 अक्टूबर को जिला स्तरीय ग्रुप डांस प्रतियोगिता होगी, जिसमें 16 टीमें हिस्सा लेंगी। प्रवेश शुल्क 2,000 रुपये निर्धारित है। प्रथम पुरस्कार 60 हजार, द्वितीय 40 हजार तथा तृतीय पुरस्कार 20 हजार रुपये रखा गया है।

इसी दिन चक्रधरपुर विधानसभा स्तरीय डांस प्रतियोगिता होगी। इसमें आठ टीमें भाग लेंगी। प्रथम पुरस्कार 50 हजार, द्वितीय 40 हजार और तृतीय 30 हजार रुपये निर्धारित है। प्रवेश शुल्क 2,000 रुपये होगा।

इसके अलावा स्लो डांस प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। इसमें आठ टीमें भाग लेंगी। प्रथम पुरस्कार 30 हजार, द्वितीय 20 हजार तथा तृतीय पुरस्कार 10 हजार रुपये रखा गया है। प्रवेश शुल्क 1,000 रुपये निर्धारित किया गया है।

19 अक्टूबर को सिंहभूम जिला स्तरीय छऊ नृत्य प्रतियोगिता होगी। इसमें प्रथम पुरस्कार 75 हजार, द्वितीय 50 हजार तथा तृतीय 25 हजार रुपये निर्धारित है। प्रतियोगिता में 16 टीमों के भाग लेने की संभावना है और प्रवेश शुल्क 5,000 रुपये होगा।

इसी दिन राष्ट्रीय स्तरीय छऊ नृत्य प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। इसमें प्रथम पुरस्कार 75 हजार, द्वितीय 50 हजार और तृतीय 25 हजार रुपये रखा गया है। प्रतियोगिता में आठ टीमें भाग लेंगी तथा प्रवेश शुल्क 10 हजार रुपये निर्धारित है।

20 अक्टूबर को चक्रधरपुर विधानसभा स्तरीय छऊ नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें 16 टीमें हिस्सा लेंगी। प्रथम पुरस्कार 70 हजार, द्वितीय 60 हजार, तृतीय 50 हजार, चतुर्थ 40 हजार, पंचम 30 हजार तथा षष्ठम पुरस्कार 20 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। प्रवेश शुल्क 2,000 रुपये होगा।

कार्य समिति में युवाओं को मिली जिम्मेदारी

दुर्गा पूजा मेला कार्य समिति में युवाओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। समिति में दोड़ाय हांसदा, अरुण उरांव, लोचन महाली, बीरे गागराई, विमल खलको, किरण खलखो, सुभाष चंद्र सामाड, कार्तिक बोदरा, डाब्लू हेम्ब्रम, संजीव बांकीरा, तुरी कोड़ा, लालसिंह अंगारिया, संजीब सवैयां, अमित देहरी, कृष्णा नायक, पवित्र देहुरी, बाबलू लाकड़ा, गोविंद दास, निराकार केराई, गुलशन उगुरसंडी, पहलवान महतो एवं जयदरथ बरहा को शामिल किया गया है।

आयोजन समिति ने दुर्गा पूजा महोत्सव एवं जनजातीय उत्सव को सफल बनाने के लिए समिति के सभी सदस्यों, स्थानीय लोगों और क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपील की है। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि आयोजन के माध्यम से क्षेत्र की जनजातीय संस्कृति, कला एवं पारंपरिक छऊ नृत्य को मंच प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।

विवेकानंद शिशु विद्या मंदिरमें पारंपरिक श्रद्धा के साथ उठा 'जावा', प्रकृति पर्व करम की शुरूआत

संवाददाता

लचरागढ़ : वनवासी कल्याण केंद्र की शैक्षिक इकाई श्रीहरि वनवासी विकास समिति, झारखंड द्वारा संचालित विवेकानंद शिशु विद्या मंदिर उच्च विद्यालय, लचरागढ़ में मंगलवार को प्रकृति पर्व करम पूजा के निमित्त पारंपरिक श्रद्धा और धार्मिक विधि-विधान के साथ ह्यजावाह्न उठाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार, मांदर की थाप और पारंपरिक गीतों से विद्यालय परिसर गूंज उठा।

छात्रावास प्रमुख सुनीति कुमारी एवं अंजलि कुमारी के नेतृत्व में व्रती छात्राओं ने उपवास रखते हुए देवनदी से पवित्र बालू एकत्रित की। इसके बाद विद्यालय के आचार्य प्रमोद पानीग्राही ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जावा रोपण का अनुष्ठान संपन्न कराया।

12 अनाजों के बीजों से दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

जावा में गेहूं, जौ, धान, मड़वा, गोंदली, उड़द, कुर्थी, चना और मकई समेत 12 स्थानीय अनाजों के बीजों का उपयोग किया गया। इन 12 बीजों को वर्ष के 12 महीनों में अन्न-धन की प्रचुरता और जैव विविधता के संरक्षण के संकल्प का प्रतीक बताया गया।

जावा उठाने के बाद लोकगायक गोपाल बरला के मांदर की थाप पर छात्राओं ने पारंपरिक करम नृत्य प्रस्तुत किया। पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य से पूरा विद्यालय परिसर करम पर्व के रंग में रंग गया।

संस्कार, संस्कृति और प्रकृति बचाने का संदेश

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि करम पर्व केवल उपवास और पूजा तक सीमित पर्व नहीं है, बल्कि यह वनवासी समाज के समृद्ध कृषि-दर्शन और प्रकृति के साथ उसके गहरे संबंध का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जावा का हर अंकुर यह संदेश देता है कि जिस तरह बीज को संरक्षित कर पौधे का रूप दिया जाता है, उसी तरह अपनी संस्कृति, संस्कार और प्रकृति का भी संरक्षण करना चाहिए।

सात दिनों तक की जाएगी जावा की सेवा

कार्यक्रम के बाद व्रती छात्राएं अगले सात दिनों तक निष्ठापूर्वक जावा की सेवा करेंगी। करम पूजा के दिन करम डाली की विधिवत पूजा की जाएगी। इसके बाद धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार करम डाली का विसर्जन किया जाएगा।

कार्यक्रम में विद्यालय के आचार्य, छात्र-छात्राएं एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सिमडेगा थाना परिसर में पुलिस गेस्ट हाउस का हुआ उद्घाटन

संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा थाना परिसर में नवनिर्मित पुलिस गेस्ट हाउस का विधिवत उद्घाटन पुलिस अधीक्षक ने फीता काटकर किया।

गेस्ट हाउस के शुरू होने से दूसरे जिलों और सुदूर क्षेत्रों से न्यायालय में गवाही देने तथा अन्य शासकीय कार्यों के लिए सिमडेगा आने वाले पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को ठहरने की सुविधा मिलेगी।

जिले के विभिन्न न्यायालयों में गवाही और अन्य सरकारी कार्यों के लिए पुलिसकर्मियों का लगातार दूसरे जिलों से आगमन होता रहता है। बाहर से आने वाले पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को रात्रि विश्राम के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने में परेशानी होती थी। इसी समस्या के समाधान के लिए पुलिस प्रशासन ने थाना परिसर में ही गेस्ट हाउस विकसित करने की पहल की।

पुराने भवन को किया गया गेस्ट हाउस में तब्दील

पुलिस प्रशासन ने सिमडेगा थाना परिसर में पूर्व में संचालित जन शिकायत सह सूचना केंद्र भवन का जीर्णोद्धार कराया। भवन में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर इसे पुलिस गेस्ट हाउस के रूप में विकसित किया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नई व्यवस्था से बाहर से आने वाले पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को कार्य के दौरान बेहतर सुविधा मिलेगी। थाना परिसर में गेस्ट हाउस होने से सुरक्षा और प्रशासनिक पहुंच भी आसान रहेगी। उन्होंने कहा कि न्यायालयी गवाही और विभागीय कार्यों के लिए आने वाले पुलिसकर्मियों को ठहरने की सुविधा थाना परिसर में ही मिलने से उनके समय और संसाधनों की बचत होगी तथा वे अपने दायित्वों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर सकेंगे।

ये अधिकारी रहे मौजूद

उद्घाटन कार्यक्रम में वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), सिमडेगा, परिचारी प्रवर पुलिस केंद्र, पुलिस निरीक्षक सिमडेगा अंचल, थाना प्रभारी सिमडेगा थाना, पुलिस एसोसिएशन के पदाधिकारी समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

अभियंता बेहतर गुणवत्ता और विशिष्ट शैली से रचते रहें नया इतिहास : सम्राट चौधरी

संवाददाता

पटना : अभियंता दिवस के अवसर पर कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा के सरकारी आवास, 3 स्ट्रैंड रोड में मंगलवार को ह्यभगवान विश्वकर्मा के संतान अभियंताओं का अभिनंदन सम्मान-सह-अभियंता संगोष्ठीह्न का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने भारत रत्न डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल सहित अन्य अभियंताओं को अंगवस्त्र और पौधा भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर दीप भी जलाया गया।

विकास कार्यों में अभियंताओं की भूमिका अहम

मुख्यमंत्री ने अभियंता दिवस पर सभी अभियंताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बिहार में आधारभूत संरचना, भवन निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगातार कार्य हो रहे हैं। इन विकास कार्यों को धरातल पर उतारने में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि बिहार में बदलाव आया है और आने वाले समय में भी निर्माण कार्यों की गति जारी रहेगी। अभियंताओं से बेहतर गुणवत्ता के साथ अपनी विशिष्ट कार्यशैली के जरिए नए मानक स्थापित करने की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि अभियंता पूंजी की बचत के साथ अपनी मेहनत और तकनीकी दक्षता से बिहार के विकास में योगदान दें।

2047 तक समृद्ध बिहार बनाने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार को समृद्ध प्रदेश बनाना है। वर्ष 2047 तक बिहार को ऐसा विकसित प्रदेश बनाना है, जो अपने गौरवशाली अतीत को फिर से प्राप्त कर सके। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए अभियंताओं का सहयोग जरूरी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में आधारभूत संरचनाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में निर्माण कार्य हुए हैं। करीब 50 लाख गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं। अगले पांच वर्षों में 60 लाख और पक्के मकान बनाए जाने की बात भी उन्होंने कही।

बाढ़ के स्थायी समाधान की दिशा में काम

मुख्यमंत्री ने बिहार की बाढ़ समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि इस वर्ष 34 प्रतिशत कम वर्षापात के बावजूद बाढ़ की स्थिति बनी। उन्होंने बताया कि सरकार ने कैबिनेट से गाद नीति पारित की है। कोसी, गंडक और गंगा नदियों को व्यवस्थित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रबंधन, कृषि और निर्माण कार्यों में अभियंताओं की विशेषज्ञता महत्वपूर्ण है। बिहार में बदलाव के लिए इंजीनियरों को पूरी मजबूती के साथ धरातल पर काम करना होगा। उन्होंने अभियंताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कई मंत्री और अभियंता रहे मौजूद

कार्यक्रम को कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय सरावगी ने भी संबोधित किया। कृषि मंत्री ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा और अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया।

इस अवसर पर राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण मंत्री अरुण शंकर प्रसाद, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री रमा निषाद, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री लखेन्द्र कुमार रौशन सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में अभियंता उपस्थित रहे।